RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:183 ता. 14 जनवरी 2023, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

गृह मंत्री अमित शाह ने शरद यादव को दी श्रद्धांजलि, राहुल गांधी ने भी किए अंतिम दर्शन

नई दिल्ली। जनता दल यूनाइटेड के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद यादव का गुरुवार रात गुरुग्राम के फोर्टिस अस्पताल में निधन हो गया। वो 75 वर्ष के थे और काफी समय से गुर्दे की बीमारी से पीड़ित थे। सांस लेने में तकलीफ होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शरद यादव के निधन की जानकारी उनकी बेटी सुभाषिनी यादव ने फेसबुक पेज पर दी।

आपातकाल के दौरान गए जेल

शरद यादव ने जयप्रकाश नारायण से लेकर, चौधरी चरण सिंह, राजीव गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी के साथ भी लंबे समय तक राजनीति की। शरद यादव कुल सात बार लोकसभा सांसद चुने गए और तीन बार राज्यसभा सांसद बने। देश में आपातकाल के दौरान वो जेल भी गए थे। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई शख्सियतों ने शोक जताया है।

गृह मंत्री अमित शाह ने दी श्रद्धांजलि

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और जदयू नेता शरद यादव को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने कहा, शरद यादव जी का हमारे बीच ना रहना देश के सार्वजनिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति है। 5 दशक लंबे सार्वजनिक जीवन में शरद जी ने हमेशा जनता के मुद्दे और पिछड़ों के मुद्दे उठाए। समाजवादी पार्टी के मूल सिद्धांतों को अंतिम सांस तक वो आगे लेकर चलते रहें।

सीएम मनोहर लाल खट्टर ने दी श्रद्धांजलि

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और जदयू नेता शरद यादव को श्रद्धांजलि दी।

राहुल गांधी ने दी श्रद्धांजलि

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और जदयू नेता शरद यादव को श्रद्धांजलि दी। राहुल गांधी ने कहा, मैंने शरद यादव जी से राजनीति के बारे में बहुत कुछ सीखा है, वह आज हमारे बीच नहीं रहें तो काफी दुख हो रहा है। उन्होंने कभी अपना सम्मान नहीं खोया क्योंकि राजनीति में सम्मान खोना बहुत आसान होता है।

परिजनों ने दी श्रद्धांजलि

पूर्व केंद्रीय मंत्री और जदयू नेता शरद यादव के परिजनों ने छतरपुर स्थित उनके आवास पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

पीएम मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शरद यादव के निधन पर दुख जताया। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, शरद यादव जी के निधन से बहुत दुख हुआ। अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में उन्होंने खुद को सांसद और मंत्री के रूप में प्रतिष्ठित किया। वे डॉ लोहिया के आदर्शों से काफी प्रभावित थे। मैं हमेशा हमारी बातचीत को संजो कर रखूंगा। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदनाएं। ओम शांति।

कोहरे ने उड़ानों पर लगाया ब्रेक, कई फ्लाइट हुईं कैंसिल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लगातार ठंड का कहर बढ़ता ही जा रहा है। जहां एक ओर शीतलहर से कड़ाके की ठंड पड़ रही है तो वहीं दूसरी ओर कोहरे की सफेद चादर में राजधानी लिपटी हुई है। दिल्ली समेत एनसीआर में घना कोहरा देखने को मिल रहा है। घने कोहरे के चलते देश भर में विमान और ट्रेन सेवा बाधित हो रही हैं। शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में घने कोहरे के कारण कुछ विमान सेवाएं बाधित हुई हैं। घने कोहरे के चलते 0 विजिबिलिटी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। शुक्रवार की बात करें तो आज राष्ट्रीय राजधानी में कोहरे के कारण कुछ उड़ानें विलंबित हुई हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर ये उड़ाने हुईं लेट

बता दें कि दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डेपर कम विजिबिलटी के चलते कई उड़ाने विलंबित हुई हैं। इन उड़ानों में दिल्ली-सैन फ्रांसिस्को/काठमांडू, दिल्ली-चंडीगढ़-कुल्लू, दिल्ली-जयपुर, दिल्ली-धर्मशाला-चंडीगढ़, दिल्ली-शिमला-धर्मशाला, दिल्ली-देहरादून शामिल हैं । कोहरे के कारण ये विमान निर्धारित समय से लेट हैं । हवाईअड्डा प्राधिकरण ने जानकारी दी कि दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) से उड़ान भरने वाली छह उड़ानें घने कोहरे के कारण लेट हुई हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, सुबह 6 बजकर 10 मिनट पर पालम में विजिबिलटी 100 मीटर दर्ज की गई।

तापमान में गिरावट

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लगातार ठंड बढ़ रही है। घने कोहरे और ठंडी हवाओं के चलते ठिठुरन भी बढ़ गई है। लगातार घने कोहरे के चलते ट्रेन और विमान सेवाएं बाधित हो रही हैं जिससे यात्रियों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली के मौजूदा तापमान की बात करें तो शुक्रवार को तापमान 16 डिग्री सेल्सियस है।

बता दें कि 16 से 18 जनवरी तक दिल्ली में न्यूनतम तापमान एक से दो डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

शिरडी जा रही बस हादसे का शिकार, 10 साई भक्तों की दर्दनाक मौत; 4 गंभीर

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में बड़ा हादसा हुआ है। साई बाबा के भक्तों को ले जा रही बस के ट्रक से टकरा जाने से 10 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में कई लोग घायल हो गए हैं। नासिक पुलिस ने इस घटना की पुष्टि की है। यह दुर्घटना नासिक-अहमदनगर राजमार्ग पर शुक्रवार सुबह पथारे के पास हुई। मुख्यमंत्री कार्यालय ने मृतकों के परिजनों के लिए 5 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस हादसे पर शोक व्यक्ति किया है। उन्होंने हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये देने और घायलों को सरकारी खर्च पर जरूरी इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। हादसे की खबर मिलते ही मुख्यमंत्री ने नासिक के मंडलायुक्त और जिला कलेक्टर से फोन पर बात की और विस्तृत जानकारी ली। इस हादसे में अब तक दस लोगों की मौत हो चुकी है। चार यात्रियों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। आपको बता दें कि बस में कुल 45 यात्री सवार थे। बदलापुर और आसपास के इलाकों से एक प्राइवेट बस श्रद्धालुओं को शिरडी में साईबाबा का दर्शन कराने के लिए ले जा रही थी। इस हादसे में कुल 12 यात्री घायल हुए हैं। इनमें से चार की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। मरने वालों में छह महिलाएं, दो बच्चे और दो पुरुष शामिल हैं। नासिक के पुलिस अधीक्षक

महाराष्ट्र के नासिक में बड़ा हादसा हुआ है। साई बाबा के भक्तों को ले जा रही बस के ट्रक से टकरा जाने से 10 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में कई लोग घायल हो गए हैं। नासिक पुलिस ने इस घटना की पुष्टि की है

शाहजी उमाप ने इस दुर्घटना की जानकारी देते हुए कहा, बस बदलापुर-अंबरनाथ से शिरडी जा रही थी। तभी बस और ट्रक में आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस घटना में छह महिलाओं, दो पुरुषों और दो बच्चों सहित दस लोगों की मौत हो गई।

सिख सैनिकों के हेलमेट पर विवाद, विरोध की चेतावनी, जत्थेदार बोले- यह अस्वीकार

नई दिल्ली। पगड़ीधारी सिख सैनिकों की सुरक्षा के लिए खास हेलमेट के प्रस्ताव ने विवाद खड़ा कर दिया है। धार्मिक गुरुओं से लेकर राजनीतिक हस्तियां इसका विरोध कर रही हैं। हाल ही में रक्षा मंत्रालय ने पगड़ीधारी सिख सैनिकों के लिए बैलिस्टिक हेलमेट का प्रस्ताव रखा था। अब कुछ सिख संगठन और अकाल तख्त जत्थेदार इसके खिलाफ खड़े हो गए हैं।

खबर है कि इस मॉडर्न हेडगियर को अस्वीकार बताया जा रहा है। खास बात है कि सिख धर्म में पुरुषों को पगड़ी पहनना, दाढ़ी और बाल काटने की अनुमति नहीं होती। जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने सिखों को हेलमेट पहनने से मना कर दिया। एक वीडियो मैसेज के जरिए उन्होंने इसे सिख कोड के खिलाफ बताया है।

खबर है कि इस मॉडर्न हेडगियर को अस्वीकार बताया जा रहा है। खास बात है कि सिख धर्म में पुरुषों को पगड़ी पहनना, दाढ़ी और बाल काटने की अनुमति नहीं होती। जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने सिखों को हेलमेट पहनने से मना कर दिया। एक वीडियो मैसेज के जरिए उन्होंने इसे सिख कोड के खिलाफ बताया है। उन्होंने कहा, सिख की तरफ से सिर पर पहना जाने वाला दस्तर केवल 5-7 मीटर का कपड़ा नहीं है, बल्कि गुरुओं का दिया हुआ ताज है... और सिखों का प्रतीक है।% उन्होंने कहा कि सिख पहचान के ढकने के किसी भी प्रयास को उनकी पहचान को खत्म करने की कोशिश के रूप में देखा जाएगा। इसके अलावा कनाडा में रहने वाली एक महिला का अविष्कार भी निशाने पर है। उन्होंने सिख बच्चों के लिए मल्टिस्पोर्ट हेलमेट तैयार किया था।

रक्षा मंत्रालय ने 5 जनवरी को सिख सैनिकों के लिए 12 हजार 730 बैलिस्टिक हेलमेट्स के लिए टेंडर या रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल निकाले थे। ये हेलमेट सैनिक के पूरे चेहरे को कवर करेंगे। प्रस्ताव में विशेष तौर पर कहा गया है कि 8 हजार 911 स्वदेशी हेलमेट लार्ज और 3 हजार 819 एक्स्ट्रा लार्ज हों। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने भी हेलमेट को सिख पहचान पर हमला बताया है। साथ ही उन्होंने विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी है।

केंद्र को ही फैसले लेने हैं तो फिर दिल्ली में चुनी हुई सरकार क्यों

चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ की तीखी टिप्पणी

नई दिल्ली। दिल्ली में चुनी हुई सरकार की आखिर क्या जरूरत है, जब प्रशासन को लेकर सारे फैसले केंद्र सरकार के ही आदेश पर लिए जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने गुरुवार को केंद्र बनाम दिल्ली सरकार के बीच अधिकारों के बंटवारे को लेकर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच इन दिनों केंद्र और दिल्ली सरकार के विभागों के बीच अधिकारों के बंटवारे पर सुनवाई कर रही है। बेंच की टिप्पणी पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार का नौकरशाहों पर प्रशासनिक नियंत्रण होता है। लेकिन वे दिल्ली सरकार के संबंधित विभागों के लिए ही काम करते हैं और उन्हें ही रिपोर्टिंग करते हैं। इस पर चीफ जस्टिस चंदचूड़ ने कहा कि इस तरह की व्याख्या से अजीब स्थिति समझ में आती है। उन्होंने कहा कि मान लीजिए कि कोई अधिकारी अपना काम सही से नहीं कर रहा है। लेकिन उसकी नियुक्ति, ट्रांसफर, पोस्टिंग आदि का अधिकार केंद्र सरकार के पास ही है तो क्या फिर दिल्ली सरकार कैसे उस अधिकारी पर ऐक्शन लेगी? क्या वह उस अधिकारी को शिफ्ट नहीं कर सकती? क्या वह किसी दूसरे अधिकारी को नहीं ला सकती? इस पर केंद्र सरकार की ओर से जवाब दिया गया कि ऐसे मामलों में ऐक्शन लेने की एक प्रकिया है। केंद्र सरकार ने कहा कि ऐसा होने पर दिल्ली सरकार या उसका संबंधित मंत्रालय उपराज्यपाल को लिखता है। उस पत्र को एलजी की ओर से केंद्र सरकार के संबंधित विभाग के समक्ष भेजा जाता है, जो ऐक्शन लेता है। तुषार मेहता ने कहा कि दिल्ली में एलजी भी प्रशासक की भूमिका ही होते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में केंद्र सरकार के पास प्रशासनिक नियंत्रण होना जरूरी है। इसकी वजह यह है कि राजधानी आतंकवाद समेत कई अहम मसलों को लेकर संवेदनशील जगह है। दिल्ली में प्रशासन राष्ट्रीय चिंताओं को ध्यान में रखकर ही चलाया जाना चाहिए।

इकाई भंग, नए खिलाड़ियों पर आप चलेगी सियासी चाल

समझें कर्नाटक में 'फॉर्मूला केजरीवाल'

बेंगलुरु। पंजाब और दिल्ली के बाद गुजरात में बुरी हार झेल चुकी आम आदमी पार्टी की नजरें अब कर्नाटक में विधानसभा चुनाव पर है। यहां चुनावी तैयारियों के बीच आम आदमी पार्टी ने अपनी राज्य और जिला इकाईयों को भंग कर दिया है। राज्य में पार्टी के चुनाव प्रभारी दिलीप पांडे ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए आम आदमी पार्टी जल्द ही चुनाव के लिए नेताओं और कार्यकर्ताओं की एक नई टीम लेकर आएगी। उन्होंने कहा कि विकास के मामले में कर्नाटक को देश में नंबर एक बनाने के लिए लोग आप पार्टी की ओर देख रहे हैं। बेंगलुरु में पत्रकारों से बातचीत में दिलीप पांडे ने कहा, ÷आम आदमी पार्टी चुनाव जीतने के उद्देश से कर्नाटक विधानसभा चुनाव की तैयारी करेगी। राज्य और जिले के अधिकारियों की मौजूदा टीम को भंग कर दिया गया है। आप की कर्नाटक राज्य इकाई पिछले 5 महीनों से निर्माण और मजबूती की प्रक्रिया से गुजर रही है। राज्यव्यापी अभियान जिसे ग्राम संपर्क अभियान कहा जाता है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के दौरान कर्नाटक में आप पूरे कर्नाटक में हजारों नए स्वयंसेवकों और समर्थकों से जुड़ी है। अब, एक नई टीम बनाई जाएगी जिसमें वे सभी लोग शामिल होंगे जो कर्नाटक में बहुप्रतीक्षित परिवर्तन लाना चाहते हैं। हम दृढ़ता से मानते हैं कि राज्य के आम लोगों के साथ हाथ मिलाकर, जो परिवर्तन निर्माता बनने जा रहे हैं, पार्टी विधानसभा चुनाव का प्रभावी ढंग से सामना करेंगे। हमें विश्वास है कि हम भाजपा की भ्रष्ट और अप्रभावी सरकार को हरा देंगे।

पंजाब और दिल्ली के बाद गुजरात में बुरी हार झेल चुकी आम आदमी पार्टी की नजरें अब कर्नाटक में विधानसभा चुनाव पर है। यहां चुनावी तैयारियों के बीच आप पार्टी ने अपनी राज्य और जिला इकाईयों को भंग कर दिया।

उन्होंने कहा, पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली टीम राष्ट्रीय महासचिव संदीप पाठक के कुशल मार्गदर्शन में आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में सक्रिय रूप से भाग लेगी। उन्होंने कहा कि विकास के मामले में कर्नाटक को देश में नंबर एक बनाने के लिए लोग आप की ओर देख रहे हैं।

राष्ट्रीय पार्टी बनने के बाद विस्तार पर नजर

पांडे ने कहा, राष्ट्रीय पार्टी बनने के बाद, लोग विकास के मामले में कर्नाटक को भारत का नंबर एक राज्य बनाने के लिए आप से वास्तव में बड़ी उम्मीदें हैं। इस प्रकार हम अच्छे इरादों वाले सभी लोगों, कार्यकर्ताओं और राजनेताओं का आगे आने और इस पर काम करने के लिए स्वागत करते हैं।

आज से और कंपकंपाएगी ठंड, कई जगह शून्य से नीचे पहुंच सकता है तापमान

नई दिल्ली। दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में ठंड से परेशान लोगों को राहत मिलती नहीं दिख रही है। शनिवार से ठंड व शीतलहर और ज्यादा परेशान कर सकती है। 16 से 18 जनवरी तक दिल्ली में न्यूनतम तापमान एक से दो डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। राजस्थान के कुछ जिलों में तो न्यूनतम तापमान माइनस में जाने की संभावना जताई जा रही है।

पश्चिमी विक्षोभ का आज खत्म हो जाएगा असर

मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, शुक्रवार को उस पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म हो जाएगा, जिसके कारण अभी तापमान बढ़ रहा है। शनिवार से तापमान में फिर से गिरावट शुरू होगी। इस बार ठंड और शीतलहर का दौर 19 जनवरी तक चलने का अनुमान है। मौसम विभाग पहले ही इस वर्ष जनवरी की ठंड को 23 साल में तीसरी सबसे अधिक बता चुका है।

तीन दिन करना पड़ सकता है भीषण ठंड का सामना

लाइव वेदर आफ इंडिया के संस्थापक नवदीप दहिया ने अनुमान जताया है कि 16 से 18 जनवरी के दौरान तीन दिन में भीषण ठंड का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने ट्वीट किया कि उन्होंने इतना कम तापमान का अनुमान पहले कभी नहीं देखा है। इस बार मैदानी इलाकों में न्यूनतम तापमान शून्य से चार डिग्री नीचे तक पहुंच सकता है। दहिया के पूर्वानुमान से मौसम विभाग व स्काईमेट वेदर ने असहमति जताई है।

चूरू और सीकर में शून्य डिग्री तापमान

स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष (मौसम विज्ञान एवं जलवायु परिवर्तन) महेश पलावत ने बताया कि पहाड़ों पर हुई बर्फबारी की ठंडक उत्तर-पश्चिमी हवा के साथ उत्तर भारत को कंपकंपाएगी जरूर,

लेकिन माइनस में तापमान राजस्थान के चूरू एवं सीकर में ही जाने का अनुमान है। फतेहपुर (सीकर) और चूरू में पांच जनवरी को भी न्यूनतम तापमान क्रमश÷ शून्य से 1.8 और 1.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया था।

दिल्ली में चल सकती है भीषण शीतलहर

पलावत ने कहा कि 16-17 जनवरी को दिल्ली में भीषण शीतलहर चल सकती है और न्यूनतम तापमान दो से चार डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। उन्होंने कहा कि नई शीतलहर की तीव्रता ज्यादा होगी, लेकिन इसकी अवधि पिछली शीतलहर के मुकाबले कम होगी, क्योंकि एक और पश्चिमी विक्षोभ 19 जनवरी से सक्रिय हो जाएगा। इस बार दो पश्चिमी विक्षोभों के बीच का अंतर कम है।

मौसम विभाग ने शनिवार से उत्तर-पश्चिम भारत के विभिन्न हिस्सों में न्यूनतम तापमान तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक गिरने का अनुमान लगाया है। 15, 16 और 17 जनवरी को उत्तरी राजस्थान के कुछ हिस्सों में गंभीर शीतलहर, जबकि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा के अलग-अलग इलाकों में शीतलहर की स्थिति रहने की संभावना है।

कोहरे के कारण रद हुई तेजस, 14 घंटे देर से पहुंची कैफियत

कोहरे के कारण उत्तर रेलवे की ट्रेनें रद होने लगी हैं। भुवनेश्वर राजधानी के बाद 13 जनवरी को नई दिल्ली से लखनऊ के बीच चलने वाली तेजस एक्सप्रेस और कुरुक्षेत्र से खजुराहो के बीच चलने वाली गीता जयंती एक्सप्रेस को भी रद करने की घोषणा कर दी गई है। गुरुवार को दिल्ली आने वाली 54 ट्रेनें एक घंटे से 14 घंटे की देरी से अपने गंतव्य पर पहुंचीं। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि कोहरे में दृश्यता कम रहने के कारण ट्रेनों की गति धीमी करनी पड़ती है, जिससे वह देरी से गंतव्य पर पहुंच रही हैं। गुरुवार को कैफियत एक्सप्रेस सबसे ज्यादा 14 घंटे की देरी से पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंची।

लखनऊ से आने वाली तेजस एक्सप्रेस लगभग छह घंटे की देरी से नई दिल्ली पहुंची। वापसी में पौने चार घंटे की देरी से रवाना हुई। भारतीय खानपान एवं पर्यटन निगम (आइआरसीटीसी) द्वारा संचालित इस ट्रेन के विलंब होने से यात्रियों को हर्जाना दिया जाता है। एक घंटे की देर होने पर प्रति यात्री एक सौ रुपये और दो या इससे ज्यादा देर होने पर प्रति यात्री ढाई सौ रुपये हर्जाना दिया जाता है।

कई फ्लाइट्स लेट

राष्ट्रीय राजधानी में कोहरे के कारण कुछ उड़ानें (दिल्ली-सैन फ्रांसिस्को/काठमांडू, दिल्ली-चंडीगढ़-कुल्लू, दिल्ली-जयपुर, दिल्ली-धर्मशाला-चंडीगढ़, दिल्ली-शिमला-धर्मशाला, दिल्ली-देहरादून) लेट हैं। यात्रियों को इससे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

माह के आखिर में बैंक कर्मचारियों की हड़ताल जल्द निपट लें अपना काम

नई दिल्ली । अगर आप भी इस माह बैंक से जुड़ा कोई काम ब्रांच में जाकर निपटाना चाहते हैं तब अपना प्लान बदल लेना चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि महीने के आखिर में बैंक कर्मचारियों ने हड़ताल करने का ऐलान किया है। बैंक यूनियनों के संगठन यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने हड़ताल का आह्वान किया है। यह फैसला मुंबई में हुई बैठक में लिया गया। अगर 30 और 31 जनवरी को हड़ताल होती है तब बैंक लगातार चार दिन बंद रहने वाले हैं ऐसा इसलिए है क्योंकि 28 जनवरी को चौथा शनिवार और 29 जनवरी रविवार होने के कारण साप्ताहिक अवकाश है। 30 और 31 जनवरी को हड़ताल होने के चलते बैंक बंद रह सकते हैं। इस तरह 4 दिन बाद ही 1 फरवरी को बैंक खुलने वाले हैं। लगातार 4 दिन बैंक बंद होने से ग्राहकों को काफी परेशानी हो सकती है। एटीएम में नकदी खत्म होने और चेक क्लीयरेंस जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। बैंक कर्मचारी अपनी कुछ मांगों को मानने की अपील पिछले काफी दिनों से कर रहे हैं। सरकार द्वारा ये मांगे पूरी न करने पर ही अब कर्मचारी सरकार पर दबाव बनाने के लिए 30 जनवरी से दो दिनों की हड़ताल पर जा रहे हैं। अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ के एक अधिकारी ने कहा कि 30 और 31 जनवरी को बैंक कर्मचारी हड़ताल पर रहने वाले हैं। एआईबीईए ने कहा कि उन्होंने अपनी मांगें पत्रों के जरिये भारतीय बैंक संघ को भेजी हैं। लेकिन इस पर कोई प्रतिक्रिया बैंक एसोसिएशन की तरफ से नहीं मिली है। अब अपनी मांगों को मनवाने के लिए कर्मचारियों के पास हड़ताल का ही रास्ता बचा है।

21 जनवरी को जयपुर में हैप्पीनेस महोत्सव के प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे श्रीश्री रविशंकर

जयपुर । आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक एवं प्रणेता श्री श्री रविशंकर 21 जनवरी को जयपुर में एसएमएस इंडोर स्टेडियम में दोपहर 3 से 5 बजे तक हैप्पीनेस महोत्सव के प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे। 4 मास के विदेशी प्रवास के पश्चात भारत में उनकी यह पहली यात्रा है। कार्यक्रम के दौरान आर्ट ऑफ लिविंग के हैप्पीनेस कोर्स के प्रतिभागियों को गुरुदेव ज्ञान और ध्यान की गहराई में ले जाएंगे। 4 साल बाद होने वाली राजस्थान यात्रा में जहां एक ओर संस्था से जुड़े स्वयंसेवक अत्यंत उत्साहित एवं हर्षित हो रहे हैं। वहीं दूसरी और युवा वर्ग में कई कारणों से उत्पन्न नकारात्मक माहौल में समाज का एक वर्ग उनकी यात्रा को इस दिशा में आशा की किरण के रूप में देख रहा है। मीडिया कोऑर्डिनेटर डॉ आभा पाराशर ने बताया कि महोत्सव से पहले प्रसन्नता की लहर उठाने के उद्देश्य से आर्ट ऑफ लिविंग के युवा स्वयंसेवक एवं युवा प्रशिक्षक सभी स्कूल कॉलेज हॉस्टल्स पीजी में जाकर अधिक से अधिक लोगों को सुदर्शन क्रिया सिखा रहे हैं। सभी सुदर्शन क्रिया स्नातक इस कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं।

घुड़सवारी के दौरान घायल होने के बाद रणदीप हुड्डा अस्पताल में भर्ती

मुंबई । अभिनेता रणदीप हुड्डा को घुड़सवारी के दौरान घायल होने के बाद इलाज के लिए मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह घोड़े की सवारी करते समय बेहोश होकर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। अभिनेता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां फिलहाल उनका इलाज किया जा रहा है। इससे पहले पिछले साल सलमान खान के साथ राधे के लिए एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान रणदीप को चोट लग गई थी जिसके लिए हाईवे के अभिनेता को अपने दाहिने पैर के घुटने की सर्जरी करवानी पड़ी थी। रणदीप ने अपने प्रशंसकों को अपने स्वास्थ्य के घटनाक्रम से अपडेट रखने के लिए अस्पताल से तस्वीरें पोस्ट की हैं।

भारतीय वायु सेना की गणतंत्र दिवस की तैयारियों के चलते एयर इंडिया कुछ घरेलू उड़ानें रद्द करेगी

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि वह भारतीय वायु सेना (आईएएफ) द्वारा गणतंत्र दिवस की तैयारी के मद्देनजर कुछ मार्गों पर घरेलू उड़ानें रद्द कर देगी। एयरलाइन 19 जनवरी से 24 जनवरी तक और उत्सव के दिन सुबह 10 :30 बजे से दोपहर 12 :45 बजे तक दिल्ली से और दिल्ली से चलने वाली सभी उड़ानें रद्द कर देंगी। निर्धारित समय सीमा से पहले या बाद में चलने वाली उड़ानें हमेशा की तरह चलती रहेंगी। एयरलाइन ने कहा - एयरलाइन का निर्णय दिल्ली हवाईअड्डे द्वारा जारी नोटिस टू एयरमेन के अनुसार है। 74 वें गणतंत्र दिवस तक एक सप्ताह के लिए हवाई क्षेत्र हर दिन लगभग तीन घंटे के लिए प्रतिबंधित रहेगा। इस प्रकार, एयर इंडिया ने व्यवधानों को कम करते हुए उड़ानों को रद्द करने के साथ-साथ पुनर्निर्धारित करने के लिए उचित उपाय किए हैं। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए, एयर इंडिया उन्हें एक घंटे की देरी या आगे बढ़ने के साथ पुनर्निर्धारित करेगी। इसका प्रभावी रूप से मतलब है कि एलएचआर (लंदन), आईएडी (डलेस), ईडब्ल्यूआर (नेवार्क), केटीएम (काठमांडू) और बीकेके (बैंकॉक) जैसे पांच स्टेशनों से अल्ट्रा-लॉन्ग हॉल, लॉन्ग-हॉल और शॉर्ट हॉल अंतरराष्ट्रीय संचालन प्रभावित होंगे। एक घंटे की देरी या देरी के कारण। एयर इंडिया ने कहा कि 'इस अवधि के दौरान कोई अंतर्राष्ट्रीय परिचालन रद्द नहीं किया गया है। आईजीआई हवाई अड्डे, नई दिल्ली से आने/जाने वाले घरेलू या अंतरराष्ट्रीय यात्रियों से अनुरोध है कि वे किसी भी असुविधा से बचने के लिए अपनी उड़ान की स्थिति की जांच कर लें।'

भी सर्दी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं

– मौसम विभाग का अलर्ट : भारत में अगले हफ्ते से शुरू होगा शीतलहर का नया दौर

नई दिल्ली । भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बृहस्पतिवार को उत्तर भारत में अगले हफ्ते से शीतलहर के एक नए दौर के शुरू होने और इससे तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की कमी आने का पूर्वानुमान व्यक्त किया। वहीं कई राज्यों में सर्दी की स्थिति में कमी आने से लोगों को राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ और इसके परिणामस्वरूप तेज सतही हवाओं के कारण पंजाब हरियाणा दिल्ली राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कोहरे की स्थिति में काफी सुधार आया। हालांकि पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में घना कोहरा छाया हुआ है। दिल्ली में बृहस्पतिवार को हल्की बारिश हुई और न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 9.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले सप्ताह शहर में शीतलहर की वापसी की भविष्यवाणी की है। आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी में पांच जनवरी से नौ जनवरी तक शीतलहर का दौर रहा जो एक दशक में महीने में सबसे लंबा है। राजस्थान में सीकर के फतेहपुर और चुरू में पांच जनवरी को न्यूनतम तापमान शून्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस और शून्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। कई दिनों की ठंड और कोहरे के मौसम के बाद चंडीगढ़ में तेज धूप निकली। शहर का न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

देशभर के इन शहरों में मौसम का ये रहा हाल

हरियाणा में अंबाला में आठ डिग्री सेल्सियस हिसार में 8.5 डिग्री सेल्सियस करनाल में 8.7 डिग्री सेल्सियस नारनौल में नौ डिग्री सेल्सियस रोहतक में 9.2 डिग्री सेल्सियस और सिरसा में 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पंजाब में अमृतसर में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस पटियाला में 8.4 डिग्री सेल्सियस पठानकोट में 8.5 डिग्री सेल्सियस फरीदकोट में नौ डिग्री सेल्सियस और मुक्तसर में 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मोहाली में न्यूनतम तापमान 9.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सोनमर्ग गुलमर्ग पहलगाम व कश्मीर के अन्य क्षेत्रों में हिमपात

अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को कहा कि कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में लगातार दूसरे दिन हिमपात जारी रहा और पूरी घाटी में रात का तापमान जमाव बिंदु से नीचे चला गया है। उन्होंने कहा कि सोनमर्ग गुलमर्ग पहलगाम और कश्मीर के अन्य ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले 24 घंटे के दौरान हिमपात जारी रहा। कश्मीर के मैदानी क्षेत्र के कई इलाकों में रुक-रुक कर हल्की बारिश हुई। उन्होंने कहा कि श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही जारी है जबकि घाटी को जम्मू क्षेत्र से जोड़ने वाली वैकल्पिक सड़क मुगल रोड और श्रीनगर-लेह राजमार्ग को यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि कम दृश्यता के कारण यहां श्रीनगर हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन में कुछ देरी हुई।

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में बोले राजनाथ सिंह

भारतीय सशस्त्र बलों में सभी जातियों और धर्मों के युवाओं के लिए हैं अवसर

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में %इंटीग्रल यूनिवर्सिटी% के दीक्षांत समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों के पास सभी जातियों और धर्मों के युवाओं के लिए अवसर हैं। कोर्स पूरा करने के बाद एक मुस्लिम लड़की सानिया मिर्जा भारत की पहली महिला मुस्लिम फाइटर पायलट बनेंगी। एक समय था जब रक्षा बलों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व मुश्किल से होता था लेकिन आज महिलाओं को सियाचिन जैसे क्षेत्रों में तैनात किया जाता है। बता दें कि राजनाथ सिंह दो दिन के लखनऊ दौरे पर हैं। दो दिवसीय दौरे पर एंट्री का यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में और लखनऊ में आयोजित होने वाले संत समाज के समागम में शामिल होंगे।

राजनाथ सिंह ने कहा कि कैंपस में चलने वाले कोर्स की एक निश्चित अवधि होती है। यहां पर आम शिक्षा प्राप्त करते हैं और शिक्षित तो होते ही हैं। मैं ये मानता हूं कि शिक्षा के साथ-साथ आप दीक्षित भी होते हैं। यानी तालीम के साथ-साथ तहजीब भी सीखते हैं। लेकिन आगे आपको तहजीब सीखने का अवसर नहीं मिलेगा ऐसी भी बात नहीं है। राजनाथ सिंह ने कहा कि इसे दीक्षांत समारोह इसलिए कहा जाता है क्योंकि एक छात्र के रूप में जो भी समय आपने इस कैंपस में गुजारा है उसमें आपने क्या तहजीब हासिल की है। उसका अंतिम दिन वो होता है जिस दिन आप डिग्री हासिल करते हैं।

हर स्तर पर महिलाओं के सपूर्ण विकास पर दिया जा रहा ध्यान

भारतीय सेना की 117 इंजीनियर रेजिमेंट की कैप्टन सुरभि जाखमोला विदेश में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ)का काम संभालने वाली पहली महिला अधिकारी होंगी। फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स अधिकारी कैप्टन शिवा चौहान ने सियाचिन ग्लेशियर के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र में तैनात होने वाली पहली महिला अधिकारी बनकर इतिहास रच दिया है। नौसेना के एक पूर्ण-महिला दल ने अरब सागर निगरानी मिशन को पूरा करके इतिहास रचा। मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी अग्निवीर योजना के तहत भारतीय नौसेना में महिला नाविकों को जगह मिली है।

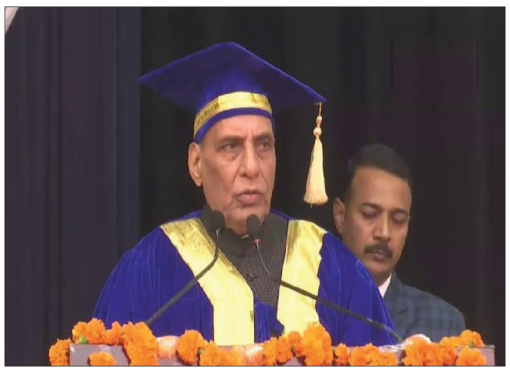

बिहार: 'रामायण में हीरा-मोती भी है और कूड़ा कचरा भी है', शिक्षा मंत्री के बाद शिवानंद तिवारी का बयान

पटना (एजेंसी)। बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने हाल में ही रामचरितमानस को लेकर एक विवादित बयान दिया था। इसके बाद बिहार की सियासत गर्म हो गई थी। बिहार सरकार में शामिल चंद्रशेखर लालू यादव की पार्टी राजद कोटे से मंत्री हैं। अब इसीकड़ी में राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी का भी नाम सामने आ गया है। दरअसल, शिवानंद तिवारी ने भी टिप्पणी करते हुए कहा कि रामायण में बहुत सारा कूड़ा करकट भी है और हीरा मोती भी है। उन्होंने राम मनोहर लोहिया का हवाला देते हुए यह भी कहा कि कूड़ा करकट बाहर ने के चक्कर में हीरा मोती को नहीं बाहर देना चाहिए और हीरा मोती खाने के चक्कर में कूड़ा करकट नहीं खा लेना चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने चंद्रशेखर के बयान पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि पूरे मामले पर पार्टी की मीटिंग में तय हो गई जिसमें तेजस्वी यादव भी मौजूद रहेंगे। इसी मीटिंग में तय होगा कि इस पर क्या करना है। दूसरी ओर बिहार के शिक्षा मंत्री अपने बयान पर कायम हैं। उनसे आज भी सवाल पूछा गया। उन्होंने कहा कि मैं एक ही बात कितनी बार कहता हूं? मैं सच बोलता हूं, मैं उस पर कायम हूं। कोई कुछ भी कहे मुझे उससे क्या लेना-देना?' उनके टिप्पणी से उपजे विवाद के बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था कि वह इस मामले में अपने कैबिनेट सहयोगी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता चंद्रशेखर से बात करेंगे।

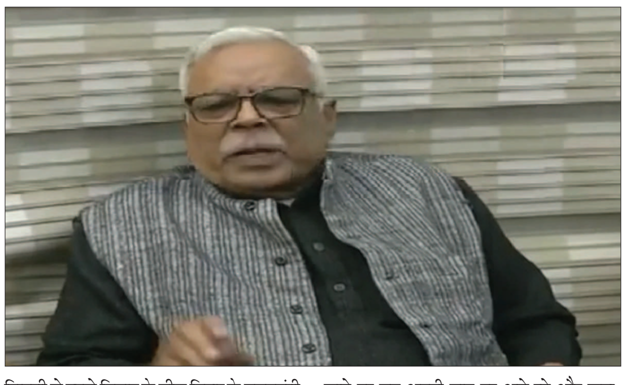

चंद्रशेखर ने बुधवार को नालंदा मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 'रामचरितमानस' पर टिप्पणी की थी। बाद में पत्रकारों द्वारा चंद्रशेखर से उनके बयान के बारे में पूछे जाने पर वह अपनी बात पर अड़े रहे और कहा, ''मनु स्मृति, रामचरितमानस और 'बंच ऑफ थॉट्स' (आरएसएस विचारक एम.एस. गोलवलकर द्वारा लिखित) ने समाज में नफरत को बढ़ावा दिया है। यही कारण है कि इन (कार्यों) को दलितों और ओबीसी से विरोध का सामना करना पड़ रहा है।''

सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगा दिल्ली पुलिस से पूछा हेट स्पीच मामले में कितनी गिरफ्तारी

-दो हफ्ते में मांगी स्टेट्स रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिसंबर 2021 में दिल्ली में धर्म संसद में हेट स्पीच केस पर सुप्रीम कोर्ट का शुक्रवार को कड़ा रुख देखने को मिला। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस पर नाराजगी व्यक्त की है। केस की सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस पर सुप्रीम कोर्ट बरस पड़ा। सर्वोच्च न्यायालय ने पूछा कि धर्म संसद 19 दिसंबर 2021 को हुई थी तब इसके पांच महीने बाद एफआईआर क्यों दर्ज की गई। शीर्ष अदालत ने दिल्ली पुलिस से तल्ख लहजे में पूछा कि एफआईआर दर्ज होने के 8 माह बाद भी जांच कहां तक पहुंची। मामले में कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया। कितने लोगों से पूछताछ की गई। मामले में क्या कदम उठाए गए। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से केस में की गई कार्रवाई को लेकर कई सवाल किए। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने जांच अधिकारी से दो हफ्ते में मांगी स्टेट्स रिपोर्ट मांगी है। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद अब दिल्ली पुलिस की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पुलिस को दो हफ्ते के अंदर कोर्ट में केस को लेकर जानकारी देनी होगी। बता दें कि दिल्ली में 19 दिसंबर 2021 को दिल्ली में हिंदू युवा वाहिनी द्वारा आयोजित धर्म संसद कार्यक्रम में हेट स्पीच का मामला सामने आया था। जिसके बाद एसक्यूआर इलियास और फैसल अहमद ने कथित हेट स्पीच की शिकायत दर्ज कराई थी। इन दोनों ने अपनी शिकायत में दावा किया था कि दिसंबर 2021 में गोविंदपुरी मेट्रो स्टेशन के पास बनारसीदास चांदीवाला सभागार में हिंदू युवा वाहिनी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हेट स्पीच के जरिए लोगों की भावनाओं को भड़काया गया था। इससे इलाके में दहशत फैल गई।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राजौरी में आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवारों से मिले

-जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर अफसरों से की चर्चा

जम्मू (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राजौरी जिले में आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवारों से मिलने और जम्मू-कश्मीर (जम्मू-कश्मीर) में सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने के लिए जम्मू पहुंचे और उच्च स्तरीय बैठक की। वह केंद्रीय गृह मंत्रालय केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) खुफिया एजेंसियों और जांच एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ राजौरी जिले के धंगरी गांव जाएंगे जहां एक जनवरी को आतंकवादी हमले में सात नागरिक मारे गए थे। इस मौके पर केंद्रीय गृह सचिव एके भल्ला सीआरपीएफ के डीजी सुजॉय लाल थाउसेन जो डीजी बीएसएफ का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे हैं इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के निदेशक तपन डेका एनआईए प्रमुख दिनकर गुप्ता और रॉ प्रमुख सामंत गोयल शाह के साथ। दोपहर में वह यूटी में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए यहां राजभवन में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा मुख्य सचिव अरुण कुमार मेहता यूटी गृह सचिव आरके गोयल और डीजीपी दिलबाग सिंह शाह के दौरे के दौरान ढींगरा गांव में अपनी मौजूदगी के अलावा सुरक्षा समीक्षा बैठक में शामिल होंगे। जम्मू-कश्मीर भाजपा प्रमुख रविंदर रैना और जम्मू-पुंछ निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सदस्य जुगल किशोर शर्मा गृह मंत्री के साथ धंगरी गांव जाएंगे। स्थानीय राजभवन में यूटी में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के बाद शाह दोपहर में नई दिल्ली लौट आएंगे।

धामी सरकार का फैसला राहत शिविर में रह रहे हर व्यक्ति को प्रतिदिन 450 रुपये दिए जाएंगे

-6 महीने के लिए बिजली-पानी का बिल भी माफ

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के जोशीमठ में हालात लगातार चिंताजनक हैं। प्रभावित घरों की संख्या भी बढ़कर 760 हो गई है। अभी तक कुल 99 परिवारों को राहत शिविरों में विस्थापित किया जा चुका है। वहीं 43 प्रभावित परिवारों को डेढ़-डेढ़ लाख रुपये की मदद राशि भी आवंटित कर दी गई है। इस बीच इसरो की एक रिपोर्ट ने जोशीमठ के लोगों की टेंशन बढ़ा दी है। सैटेलाइट तस्वीरों के आधार पर इस रिपोर्ट में कहा गया है कि नरसिंह मंदिर सहित जोशीमठ का पूरा इलाका डूब सकता है। उत्तराखंड कैबिनेट की बैठक में जोशीमठ के लिए राहत पैकेज पर फैसला लिया गया है। राहत शिविर में रह रहे हर व्यक्ति को प्रतिदिन 450 रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा पशुओं के लिए 15 हजार रुपये और भोजन

भत्ता भी मिलेगा। अगले 6 महीने के लिए बिजली-पानी का बिल भी माफ रहेगा। धामी ने कहा कि सर्वे टीम मौके पर मौजूद है। पुनर्वास के लिए आकलन किया जा रहा है और हम भविष्य के लिए महत्वपूर्ण फैसले ले रहे हैं।

वहीं सीबीआरआई के मुख्य वैज्ञानिक डीपी कानूनगो ने बताया कि हम इमारत से गैर-संरचनात्मक चीजों को हटा रहे हैं। इस ध्वस्त करने में 7-10 दिन का समय लगेगा। होटल को यांत्रिक विखंडन की तकनीक से गिराया जा रहा है। यानी कि गिराने से पहले उसके तमाम पुर्जे अलग किए जा रहे हैं। इस बीच चमोली जिले में जोशीमठ के बाद अभी कर्णप्रयाग पर भी खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। यहां भी घरों में दरारें आने के बाद प्रशासन ने बहुगुणा नगर को तुरंत खाली कराने का आदेश दिया है। दरअसल चमोली जिले में हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। जोशीमठ के बाद कर्णप्रयाग में कई घरों में दरारें पड़ गईं हैं। ऐसे में प्रशासन ने कर्णप्रयाग के बहुगुणानगर को तुरंत खाली कराने का आदेश दिया है। कर्णप्रयाग में भी कई घरों में दरारें आ चुकी है। इन घरों में रहना खतरे से कम नहीं है। 11 जनवरी को प्रशासन ने कर्णप्रयाग में उन घरों का मुआयना किया था जहां पर दरारें आई थी। इसके बाद ही प्रशासन ने बहुगुणा नगर में रह रहे लोगों को अस्थायी तौर पर सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करने का आदेश दिया।

कांग्रेस ने नायडू के कथन का हवाला देकर धनखड़ पर फिर निशाना साधा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) अधिनियम निरस्त किए जाने के मुद्दे पर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा परोक्ष रूप से न्यायपालिका की आलोचना किए जाने के बाद शुक्रवार को उन पर फिर निशाना साधा और राज्यसभा के पूर्व सभापति एम वेंकैया नायडू के इस कथन का हवाला दिया कि संविधान सर्वोच्च है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, पी चिदंबरम जी ने न्यायपालिका पर उप राष्ट्रपति के हमले का यह कहते हुए सही प्रतिवाद किया है कि संसद नहीं, संविधान सर्वोच्च है। एक साल पहले, धनखड़ जी से पूर्व उप राष्ट्रपति रहे वेंकैया नायडू ने वही बात की थी जो चिदंबरम जी ने की है।

उन्होंने नायडू के कथन से जुड़ी पीआईबी की एक विज्ञप्ति भी साझा की। 25 नवंबर, 2020 की इस विज्ञप्ति के मुताबिक, राज्यसभा के तत्कालीन सभापति नायडू ने कहा था कि राज्य के तीनो अंगों में से कोई भी सर्वोच्च होने का दावा नहीं कर सकता है क्योंकि केवल संविधान सर्वोच्च है और विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका संविधान में परिभाषित दायरे के भीतर काम करें। पीआईबी की इस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नायडू ने गुजरात के केवड़िया में पीठासीन अधिकारियों के 80वें अखिल भारतीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की थी।

रमेश ने धनखड़ पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को कहा था कि राज्यसभा के सभापति का केशवानंद भारती मामले से जुड़े फैसले को 'गलत' कहना न्यायपालिका पर अभूतपूर्व हमला है। उल्लेखनीय है कि धनखड़ ने बुधवार को कहा था कि संसद के बनाए कानून को किसी और संस्था द्वारा अमान्य किया जाना प्रजातंत्र के लिए ठीक नहीं है। उच्चतम न्यायालय द्वारा 2015 में एनजेएसी अधिनियम को निरस्त किए जाने को लेकर उन्होंने यह भी कहा था कि 'दुनिया में ऐसा कहीं नहीं हुआ है।

गंगा विलास क्रूज और टेंट सिटी के साथ काशी में हुई पर्यटन के नए युग की शुरूआत: योगी

वाराणसी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन हम सब के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बीते 8 साल में बदलते भारत को पूरी दुनिया ने देखा है और काशी के लिए तो आज से संभावनाओं की एक नई यात्रा का शुभारंभ हुआ है। शुक्रवार को वाराणसी में रिवर क्रूज यात्रा के शुभारंभ और गंगा पार बनी टेंट सिटी के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने यह बात कही। एमवी गंगा विलास क्रूज के माध्यम से काशी से डिब्रूगढ़ तक 3200 किलोमीटर की विश्व की सबसे लंबी रिवर क्रूज यात्रा का शुभारंभ और गंगातट पर बनी टेंट सिटी का उद्घाटन समारोह रविदास घाट पर आयोजित किया गया। पीएम मोदी भी समारोह में वर्चुअल उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर हर महादेव के जयघोष के साथ अपना उद्बोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे प्राचीन नगरी काशी दुनिया की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राजधानी के रूप में विख्यात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में काशी अपनी विरासत को संरक्षित रखते हुए वैश्विक मानचित्र पर उभरी है। आज का दिन काशी के साथ ही बिहार झारखंड पश्चिम बंगाल और असम के लिए भी बहुत ऐतिहासिक है। यूपी को हमेशा इस बात की तड़प रहती थी कि लैंड लॉक स्टेट होने के कारण हमारे कृषि और एमएसएमई के उत्पादों को अन्तरराष्ट्रीय बाजारों में भेजना महंगा पड़ता था। व्यापारी सदैव इसे लेकर परेशान रहते थे। विगत तीन वर्ष के अंदर पूर्वी बंदरगाह से काशी को जोड़ने का जो कार्य हुआ है उसके लिए उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करता है।

उन्होंने कहा कि विश्वनाथ धाम बनने के साथ ही काशी में पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ी है। इसके साथ ही संभावनाओं के नये द्वार भी खुले हैं। गंगा विलास रिवर क्रूज की आगे की दो वर्ष की एडवांस बुकिंग इसका जीता जागता प्रमाण है। काशी आज नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। इससे एक भारत श्रेष्ठ भारत के अभियान को भी बल मिल रहा है। सीएम योगी ने कहा कि आज का कार्यक्रम नमामि गंगा की सफलता की नई ऊंचाई को प्रदर्शित करता है। बीते आठ साल में मां गंगा का जल आचमन तो दूर स्नान के लिए लोगों में आशंकाएं उत्पन्न करता था। आज नमामि गंगा अभियान सफलता की ऊंचाई छूते हुए आगे बढ़ा है।

2019 में प्रयागराज कुंभ की सफलता इसी नमामि गंगा की सफलता की कहानी का प्रत्यक्ष प्रमाण है। गंगा के साथ अपनी आजीविका को जोड़ने वाले काशी के 16 सौ से ज्यादा नाविकों के जीवन में परिवर्तन आया है। सरकार ने नाविक की नावों को सीएनजी से जोड़ने का कार्य किया। आज यहां का हर नाविक एक ही सीजन में पूरे साल की कमाई कर ले रहा है। ये नमामि गंगा परियोजना की सफलता तो है ही साथ ही नाविकों के स्वावलंबन को भी दर्शाता है। भारत सरकार के

पत्तन पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय की ओर से आयोजित कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़े प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अलावा वाराणसी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री सबार्नंद सोणोवाल शामिल हुए। इसके अलावा असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा और बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ऑनलाइन जुड़े। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीपद्नायक हल्दिया से शांतनु ठाकुर भी ऑनलाइन जुड़े। स्वागत भाषण केंद्रीय मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने दिया।

अमेरिकी सेना प्रमुख जनरल मार्क मिले ने पाक सेनाध्यक्ष जनरल मुनीर से फोन पर की बातचीत

काबुल । काबुल में आतंकवादी हमले के एक दिन बाद यूएस ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल मार्क मिले ने पाकिस्तान के थल सेनाध्यक्ष जनरल सैयद असीम मुनीर से फोन पर बात की है। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान और क्षेत्र के अन्य मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। जनरल मिले ने जनरल मुनीर को पाकिस्तान के सेना प्रमुख के रूप में अपनी नई भूमिका संभालने पर बधाई दी। ज्वाइंट स्टाफ के प्रवक्ता कर्नल डेव बटलर ने बातचीत के बारे में कहा कि वरिष्ठ नेताओं ने पाकिस्तान और क्षेत्र में मौजूदा सुरक्षा माहौल सहित पारस्परिक हित की वस्तुओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा जनरल मिले ने पाकिस्तान के लोगों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की क्योंकि वे विनाशकारी गर्मी की बाढ़ से उबर रहे हैं और पुनर्निर्माण कर रहे हैं। इस बीच कांग्रेस सदस्य शीला जैक्सन ली ने पाकिस्तान के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करने और इस गंभीर समय के दौरान दुख की अपनी भावनाओं को साझा करने और कठिन पुनर्निर्माण के प्रयास के दौरान पाकिस्तान को निरंतर समर्थन देने के लिए प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया। यह देखते हुए कि पाकिस्तानी-अमेरिकी समुदाय अमेरिकी समाज का एक कीमती घटक है जो पाकिस्तान की त्रासदी को व्यक्तिगत रूप से महसूस करता है और जिसके साथ सभी अमेरिकी एकजुट हैं। प्रस्ताव में कहा गया है कि बाइडेन प्रशासन को पात्र पाकिस्तानी को अस्थायी संरक्षित दर्जा देने के लिए तेजी से कार्य करना चाहिए। नागरिक जो वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका में रहते हैं। जून 2022 में आई बाढ़ के परिणामस्वरूप देश का एक-तिहाई हिस्सा पानी में डूब गया था जिसका सीधा असर 33000000 पाकिस्तानियों के जीवन पर पड़ा था। प्रस्ताव में कहा गया है कि 1700 से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई है जिनमें से एक तिहाई बच्चे हैं। 12900 लोग घायल हुए हैं 20600000 को वर्तमान में मानवीय सहायता की आवश्यकता है और 7900000 विस्थापित हुए हैं।

भारतीय महिला संग बदसलूकी का मामला, पाकिस्तान विदेश मंत्रालय ने दिया ये जवाब

पाकिस्तान ने कहा कि वह एक महिला प्रोफेसर के मामले की जांच कर रहा है, जिसने आरोप लगाया था कि उसके साथ नई दिल्ली में देश के उच्चायोग के कुछ वरिष्ठ कर्मचारियों द्वारा कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया गया था। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज ज़हरा बलूच ने एक भारतीय महिला के साथ उच्चायोग के एक अधिकारी द्वारा कथित अभद्र व्यवहार के बारे में मीडिया के सवालों के जवाब में एक बयान जारी किया। पंजाब के एक कॉलेज के प्रोफेसर ने आरोप लगाया कि दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के वरिष्ठ कर्मचारियों ने उनसे ऐसे सवाल पूछे जिससे वह असहज हो गईं। यहां सभी सार्वजनिक शिकायतों के निवारण के लिए मजबूत तंत्र मौजूद हैं।卐उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान सभी वीजा और कांसुलर आवेदकों के प्रति उचित शिष्टाचार और व्यवहार को अत्यधिक महत्व देता है। बता दें कि एक महिला शिक्षाविद् ने दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के कुछ वरिष्ठ कर्मचारियों द्वारा पाकिस्तान जाने के लिए वीजा के लिए आवेदन करने के दौरान अभद्र व्यवहार और यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए थे। एक विश्वविद्यालय में एक वरिष्ठ प्रोफेसर और एक विभाग की प्रमुख, उसने कहा कि उसने पाकिस्तान उच्चायोग के साथ एक ऑनलाइन वीजा नियुक्ति बुक की थी। जब उनसे उनकी लाहौर यात्रा के उद्देश्य के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने अधिकारी से कहा, 'मैं स्मारकों की तस्वीरें लेने और उन पर लिखने के लिए लाहौर जाना चाहती हूं और एक विश्वविद्यालय भी जाना चाहती हूं जहां मुझे व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। जब वह जाने वाली थी, तभी एक और कर्मचारी आ गया और उससे निजी सवाल पूछने लगा, जिससे वह असहज हो गई। उसने कहा, 'उसने मुझसे पूछा कि मैंने शादी क्यों नहीं की; मैं बिना शादी के कैसे रहूं? मैं अपनी यौन इच्छाओं के लिए क्या करूँ?' उन्होंने दावा किया कि विषय को बदलने के उनके प्रयासों के बावजूद अधिकारी उनके सवालों पर कायम रहे।

इजराइली सेना ने 3 फलस्तीनियों को गोली मारकर मौत के घाट उतारा

– वेस्ट बैंक में छापेमारी के दौरान घटना को दिया अंजाम

यरुशलम । इजराइली सेना ने बृहस्पतिवार को वेस्ट बैंक में छापेमारी के दौरान तीन फलस्तीनियों को गोली मार दी जिससे उनकी मौत हो गई फलस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इजराइल और फलस्तीन के बीच हाल के महीनों में बढ़ती हिंसा में खूनखराबे की यह ताजा घटना है। इजराइली सेना पिछले साल की शुरुआत से ही क्षेत्र में रात को छापे मार रही है। इजराइल का कहना है कि इन छापों का मकसद आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करना तथा भविष्य के हमलों को रोकना है। उसने कहा कि कालांदिया शरणार्थी शिविर में घुसने वाले सैनिकों पर पथराव किया गया। सेना ने कहा कि जवाबी कार्रवाई करते हुए सैनिकों ने छतों से पथराव कर रहे फलस्तीनियों पर गोलियां चलायी। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने मृतक व्यक्ति की पहचान 41 वर्षीय समीर असलान के रूप में की। इजराइली सेना ने बृहस्पतिवार को उत्तरी वेस्ट बैंक में भी छापा मारा। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइली सेना ने 25 वर्षीय हबीब कामिल और 18 वर्षीय अब्देल हादी नजर को गोली मार दी। सेना ने बताया कि सुरक्षा बल आतंकवादी हमले करने की योजना बनाने के संदिग्ध फलस्तीनी मोहम्मद अलौना को गिरफ्तार करने कबातिया में घुसे थे। मारे गए लोगों के साथ ही इस साल वेस्ट बैंक में जान गंवाने वाले फलस्तीनियों की संख्या 9 हो गई है।

अमेरिका में भयंकर तूफान की चपेट में आने से 7 लोगों की मौत

सेल्मा । अमेरिका के दक्षिण क्षेत्र में भयंकर तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसकी चपेट में आने से मध्य अलबामा में कम से कम छह लोगों की जान चली गई और जॉर्जिया में एक अन्य की मौत हो गई। बृहस्पतिवार को हजारों लोगों को बिजली न होने की वजह से परेशानी का सामना भी करना पड़ा। काउंटी के आपात सेवा के प्रबंधन निदेशक एर्नी बगेट ने कहा कि सेल्मा से 66 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में अलबामा के ऑटुगा काउंटी में कम से कम छह लोगों की मौत की पुष्टि हुई है और तूफान से अनुमानित 40 से 50 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। मीडिया के अनुसार कम से कम 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें आपात सेवा के कर्मियों ने अस्पताल पहुंचाया। बृहस्पतिवार शाम को गिरे पेड़ों को हटाने काम चल रहा है ताकि ऐसे लोगों की तलाश की जा सके जिन्हें मदद की जरूरत हो। ऑटुगा काउंटी कोरोनर बस्टर बार्बर ने देर रात बृहस्पतिवार को कहा कि कई मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं जिनका अभी कुछ पता भी नहीं चल पाया है। मलबे को हटाने का काम जारी है। बृहस्पतिवार को अलबामा में करीब 40000 लोगों ने बिना बिजली के रात काटी। जॉर्जिया में करीब 86000 लोगों ने बिजली न होने के कारण परेशानी झेली।

यूएस आबादी के कुल एक प्रतिशत भारतीय अमेरिकी देते हैं छह प्रतिशत कर : सांसद रिच

वाशिंगटन । अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य रिच मैक्कोर्मिक ने बृहस्पतिवार को सदन को बताया कि भारतीय-अमेरिकी अमेरिका की कुल आबादी का एक प्रतिशत हैं लेकिन वे करीब छह प्रतिशत करों का भुगतान करते हैं। उन्होंने कहा कि यह जातीय समुदाय समस्या का कारण नहीं बनता बल्कि कानूनों का पालन करता है। रिच मैक्कोर्मिक (54) ने बृहस्पतिवार को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में अपने पहले एवं संक्षिप्त संबोधन में कहा कि उनके समुदाय में पांच चिकित्सकों में से एक भारत से हैं। उन्होंने भारतीय-अमेरिकियों को महान देशभक्त ईमानदार नागरिक और अच्छे दोस्त बताया। उन्होंने कहा कि वे अमेरिकी समाज का करीब एक प्रतिशत हैं लेकिन वे लगभग छह प्रतिशत करों का भुगतान करते हैं। वे समस्याएं खड़ी नहीं करते। वे कानून का पालन करते हैं। जॉर्जिया में भारतीय-अमेरिकियों की अच्छी खासी आबादी है। उन्होंने कहा कि मैं इस अवसर पर अपने क्षेत्र के मतदाताओं की सराहना करने के लिए यहां हूं खासकर उन लोगों की जो भारत से आकर बसे हैं।

लिमा में विरोध प्रदर्शन के दौरान डिना बुलारटे को राष्ट्रपति के रुप में खारिज करते हुए लोग।

ईस्टर हमले के पीड़ितों को मुआवजे के रुप में 10 करोड़ रुपये दे पूर्व राष्ट्रपति सिरीसेना : सुप्रीम कोर्ट

कोलंबो । श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरीसेना को सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि 2019 के ईस्टर हमले के पीड़ितों को मुआवजे के रूप में 10 करोड़ एसएलआर (श्रीलंकाई रुपये) का भुगतान करें। दरअसल हमले की आशंका के बारे में प्रामाणिक जानकारी होने के बावजूद हमला रोक पाने में उनकी लापरवाही के लिए यह आदेश दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय पीठ ने अपने फैसले में व्यवस्था दी कि 2019 के ईस्टर संडे के हमलों को रोक पाने में नाकाम रहते हुए याचिकाओं में नामजद प्रतिवादियों ने याचिकाकर्ताओं के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया था। अदालत ने कहा कि शीर्ष अधिकारी घातक आत्मघाती बम हमले रोकने के लिए भारत की ओर से साझा की गई विस्तृत खुफिया सूचना पर कार्रवाई करने में विफल रहे। अदालत ने सिरीसेना को 10 करोड़ श्रीलंकाई रुपये पूर्व पुलिस प्रमुख पूजित जयसुंदर और राज्य खुफिया सेवा के पूर्व प्रमुख नीलांता जयवर्द्धने को 7.5-7.5 करोड़ श्रीलंकाई रुपये तथा पूर्व रक्षा सचिव हेमासिरी फर्नांडो को 5 करोड़ श्रीलंकाई रुपये देने का आदेश दिया। राष्ट्रीय खुफिया सेवा के पूर्व प्रमुख शिशिर मेंडिस को एक करोड़ श्रीलकाई रुपये का मुआवजा अदा करने का आदेश दिया गया है। उन्हें उनकी निजी निधि से भुगतान करने का आदेश दिया गया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि उस मुआवजे के भुगतान के बारे में छह महीने में जानकारी दी जानी चाहिए।

धरती पर आमने-सामने लेकिन अंतरिक्ष में साथ, इस स्पेशल मिशन के लिए साथ आए रूस और अमेरिका

वाशिंगटन (एजेंसी)। जब पूरी दुनिया रूस और यूक्रेन युद्ध की चपेट में है। यूक्रेन युद्ध की वजह से अमेरिका और रूस के बीच भी ठनी हुई। मास्को ने यूक्रेन पर अपना आक्रमण जारी रखा है और इसके प्रमुख शहरों पर बमबारी की है। अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिम ने रूस पर प्रतिबंध लगाए हैं। लेकिन ऐसे वक्त में एक क्षेत्र ऐसा है जहां दोनो साथ मिलकर काम कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच सहयोग जारी रखने वाला क्षेत्र अंतरिक्ष अन्वेषण है। दोनों देशों की अंतरिक्ष एजेंसियों ने स्पेस स्टेशन पहुंचने वाले अंतरिक्ष यानों में यात्रा के लिए समझौता किया है।

सोयुज अंतरिक्ष यान को पिछले साल एक माइक्रोमीटरोराइड हिट के कारण अपूरणीय क्षति के बाद दोनों देश संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से अंतरिक्ष यात्रियों को बचाने के लिए एक मिशन की योजना बना रहे हैं। दो रूसी कॉस्मोनॉट्स और एक अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री को वाहन पर लौटने के लिए निर्धारित किया गया था, जो अब खाली वापस आएगा। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और रूस की एजेंसी रोस्कोस्मोस इस चुनौती से मिलकर लड़ रहे हैं। बीते दिनों यह खबर भी सामने आई थी कि अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने

के लिए एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की मदद भी ली जा सकती है। हालांकि अब एक और सोयुज को लॉन्च करने पर फैसला होता हुआ दिख रहा है।

ये तीनों अब सोयुज एमएस-23 पर सवार होकर पृथ्वी पर लौटेंगे। इसका मतलब है कि आईएसएस के लिए एक नया स्पेसक्राफ्ट लॉन्च किया जाएगा। रोसकोस्मोस ने बताया है कि सोयुज एमएस-23 स्पेसक्राफ्ट को अनमैंड मोड में 20 फरवरी को लॉन्च किया जाएगा। हालांकि रूसी इंजीनियरों का मानना है कि कैप्सूल पुनः प्रवेश और सुरक्षित रूप से भूमि से बच सकता है, केबिन का तापमान उच्च आर्द्रता के साथ कम 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है क्योंकि यह कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा उत्पन्न गर्मी को बहा नहीं सकता है।

रूसी विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान से तीसरे विश्व युद्ध की आशंका बढ़ी

मास्को (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध नए साल के साथ खतरनाक मोड़ पर है। इस बीच रूसी विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान से तीसरे विश्व युद्ध की आशंका को बल मिल गया है। अगर कीव बेलारूस या रूस की सीमा पर आक्रमण करता है तब बेलारूस भी यूक्रेन में जारी संघर्ष में रूस की ओर से आ सकता है। दोनों देश अपने सैन्य सहयोग को तेज करने के लिए सहमत हो गए हैं। उधर यूक्रेन ने भी अपने सैनिकों को तैयार रहने के निर्देश दिए हैं।

रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण करने के लिए बेलारूस को सहायक के रूप में इस्तेमाल किया है। दोनों देश तब से अपने सैन्य सहयोग को तेज करने के लिए सहमत हो गए हैं इस आशंका को बढ़ाते हुए कि मास्को उत्तर से यूक्रेन पर एक नया आक्रमण शुरू करने के लिए अपने करीबी सहयोगी का उपयोग कर सकता है।

विदेश मंत्रालय के अधिकारी अलेक्सी पोलिशचुक ने कहा कि बेलारूस के साथ रूस के संयुक्त अभ्यास को वृद्धि को रोकने के लिए डिजाइन किया गया था लेकिन चेतावनी दी कि अगर बेलारूस या रूस पर आक्रमण किया गया तब बेलारूस यूक्रेन संघर्ष में शामिल हो सकता है।

पोलिशचुक ने बताया कानूनी दृष्टिकोण से कीव शासन द्वारा सैन्य बल का उपयोग या यूक्रेन के सशस्त्र बलों द्वारा बेलारूस या रूस के क्षेत्र पर आक्रमण करने की योजना बना रहा है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा था कि उनके देश को बेलारूस के साथ अपनी सीमा पर तैयार रहना चाहिए। लेकिन उन्होंने अभी तक केवल अपने पड़ोसी से शक्तिशाली बयान देख हैं।

पाकिस्तान की मदद को आगे आए सऊदी अरब और यूएई डिफॉल्टर होने से बचाया

दुबई (एजेंसी)। दिन ब दिन खत्म होते विदेशी मुद्रा भंडार गिरते रुपए और डिफॉल्टर होने के खतरे से जूझ रहे पाकिस्तान को सऊदी अरब और यूएई ने बड़ा सहारा दिया है। राहत की आस लेकर संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे पीएम शहबाज शरीफ को 3 अरब डॉलर की मदद देने का भरोसा दिया है। यूएई सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान को अगले दो महीनों में 2 अरब डॉलर का कर्ज जारी किया जाएगा।

इसके अलावा 1 अरब डॉलर की मदद से अलग से दी जाएगी। यही नहीं सऊदी अरब ने भी पाकिस्तान को 1 अरब डॉलर की तेल सप्लाई करने का भरोसा दिया है जिसकी फिलहाल पेमेंट नहीं करनी होगी। पाकिस्तान को उम्मीद है कि इस मदद के जरिए वह कर्ज की किस्तें चुका सकेगा और ईंधन के संकट से भी उबर सकेगा।

पाकिस्तान की हालत का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि केंद्रीय बैंक का विदेशी मुद्रा भंडार गुरुवार को 4।34 अरब डॉलर पर सिमट गया था। यह आंकड़ा फरवरी 2014 के बाद सबसे कम है। इसके जरिए पाकिस्तान महज एक महीने के ही आयात का बिल चुका सकता है। इसके अलावा चीन समेत कई देशों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से उसने 26 अरब डॉलर तक के लोन ले रखे हैं जिनकी अदायगी करने की भी चुनौती है। इन कर्जों की किस्तें न चुकाने पर पाकिस्तान के सामने डिफॉल्टर होने का खतरा भी है।

अब यूएई और सऊदी ने उसकी गुहार पर जो फैसला लिया है उससे जरूर पाकिस्तान को तत्काल कुछ राहत मिलेगी। यूएई ने 2 अरब डॉलर के कर्ज को दो किस्तों में देने का फैसला लिया है। पहली किस्त फरवरी में जारी की जाएगी जबकि दूसरी किस्त मार्च में ट्रांसफर होगी। पाकिस्तान के सरकारी सूत्रों का कहना है कि इस मदद से उसे कुछ वक्त मिल गया है। अब पाकिस्तान की ओर से आईएमएफ से कर्ज की गुहार लगाई जाएगी जहां लंबे समय से आवेदन किया गया है लेकिन अब तक कोई फैसला नहीं हो सका है।

पाकिस्तान में विदेशी मुद्रा भंडार की कमी के चलते आयात को भी रोकना पड़ा था। इससे पेट्रोल डीजल गेहूं समेत कई जरूरी चीजों की भी पाकिस्तान में किल्लत देखी गई है। यहां तक कि कच्चे माल की कमी के चलते उद्योगों को भी बंद करना पड़ा है और लोग बेरोजगार होकर घर बैठे हैं। पाकिस्तान का कहना है कि सऊदी अरब अभी वहां और निवेश करेगा। सऊदी अरब ने पाकिस्तान में 10 अरब डॉलर के निवेश का वादा किया है। इसके अलावा स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान में जमा 3 अरब डॉलर के फंड को बढ़ाकर 5 अरब डॉलर करने का फैसला भी लिया है।

पेरू में सरकार विरोधी-प्रदर्शन कुस्को तक पहुंचा, मृतकों की संख्या 48 हुई

लीमा (एजेंसी)। पेरू के राष्ट्रपति डिना बोलुआर्टे की सरकार के खिलाफ प्रदर्शन पर्यटक शहर कुस्को तक पहुंच गया है, जहां बुधवार को हिंसक झड़पें हुईं। एक महीने पहले शुरू हुए इन विरोध-प्रदर्शनों में अभी तक 48 लोगों की जान जा चुकी है। कुस्को में स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों द्वारा शहर के हवाई अड्डे पर कब्जा करने की कोशिश के बाद हुई झड़प में 37 नागरिक और छह पुलिस अधिकारी घायल हो गए। इस दौरान हवाई अड्डे पर कई विदेशी पर्यटक भी मौजूद थे। पेरू के 41 प्रांतों में बोलुआर्टे के खिलाफ और अपदस्थ राष्ट्रपति पेड्रो कैस्टिलो के समर्थन में लोगों ने प्रदर्शन किया और सड़कें जाम कीं।

कैस्टिलो को पद से हटाए जाने और उनकी गिरफ्तारी के बाद दिसंबर की शुरुआत से प्रदर्शन जारी हैं। विरोध-प्रदर्शन मुख्य रूप से देश के

कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहा है, जहां अब भी लोग कैस्टिलो के प्रति वफादारी रखते हैं। वे तत्काल चुनाव कराने, बोलुआर्टे के इस्तीफे, कैस्टिलो की रिहाई और पुलिस के साथ संघर्ष में मारे गए प्रदर्शनकारियों के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं। अभी तक सबसे भयावह हिंसा सोमवार को जुलियाका शहर में टिटिकाका झील के पास हुई थी, जिसमें पुलिस के साथ झड़प में 17 लोग मारे गए थे।

हिंसा में एक पुलिस अधिकारी को जिंदा जला दिया गया था। कुस्को में स्वास्थ्य अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि शहर में गोलीबारी की चपेट में आने के बाद एक और व्यक्ति की मौत हो गई। इससे पहले, पेरू के लोकपाल कार्यालय ने कहा था कि पुलिस के साथ झड़प में अब तक 39 नागरिक मारे गए हैं, जबकि सड़क जाम करने के दौरान हुए हादसों में सात अन्य की मौत हुई है। इसके अलावा, एक पुलिस अधिकारी को जिंदा जलाए जाने की घटना भी सामने आई है, जिससे हिंसा में अब तक मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 48 हो गई है। पेरू सरकार ने पुनो में तीन दिन तक रात आठ बजे से सुबह चार बजे तक कर्फ्यू लगाने की घोषणा की है।

पुनो में लोग हिंसा में मारे गए 17 लोगों के शवों के ताबूत के साथ चलते नजर आए थे। इस बीच, मानवाधिकारों पर अंतर-अमेरिकी आयोग का एक प्रतिनिधिमंडल विरोध-प्रदर्शनों और पुलिस की प्रतिक्रिया की जांच के लिए पेरू पहुंच गया है। कैस्टिलो की उत्तराधिकारी डिना बोलुआर्टे ने राष्ट्रपति पद और संसद के लिए 2024 में चुनाव कराने की योजना का समर्थन किया है, जो 2026 के लिए निर्धारित हैं। उन्होंने सुरक्षा बलों के अत्यधिक बल का इस्तेमाल करने के मामले में भी न्यायिक जांच का समर्थन किया है।

यूएन मिशन में तैनात भारतीय शांति रक्षकों को सम्मानित किया गया

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन में तैनात एक हजार से अधिक भारतीय शांतिरक्षकों को एक पुरस्कार समारोह में प्रतिष्ठित संयुक्त राष्ट्र पदक से सम्मानित किया गया। पहली बार इस समारोह में परेड का नेतृत्व भारतीय सेना की एक महिला अधिकारी ने किया। अपर नील में एक विशेष पुरस्कार समारोह में दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन में तैनात भारत के 1171 शांति रक्षकों को उनकी अनुकरणीय सेवा के लिए संयुक्त राष्ट्र पदक से सम्मानित किया गया। मिशन ने बृहस्पतिवार को ट्वीट किया कि भारत को सलाम। आपके 1171 उत्कृष्ट पुत्र और पुत्रियों को अपर नील दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन के उनके उल्लेखनीय काम के लिए संयुक्त राष्ट्र पदक मिले हैं। पहली बार भारतीय सेना की एक महिला अधिकारी मेजर जैसमीन ने भारतीय दल की परेड की अगुवाई की। संयुक्त राष्ट्र मिशन के फोर्स कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मोहन सुब्रमण्यम ने समारोह में शांति रक्षकों को पदक प्रदान किए। जिन शांति रक्षकों को पदक दिए गए हैं उनमें से पांच महिलाएं हैं। भारत संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा मिशनों में सबसे बड़ा दल भेजने वाले देशों में शुमार है। जून 2022 तक संयुक्त राष्ट्र के मिशन में 2370 भारतीय सैन्य कर्मियों को तैनात किया गया था जो रवांडा के बाद दूसरा सबसे बड़ा दल है।

आर-पार जोड़ दो, कश्मीर का द्वार खोल दो, भारत के साथ मिलाए जाने को बेताब हैं पीओके के लोग

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान भर में आटा और खाद्य संकट की खबरों के बीच पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) गिलगित बाल्टिस्तान एक बार फिर से सुर्खियों में है। पाकिस्तान सरकार की भेदभावपूर्ण नीतियों से वहां के रहवासियों में भारी रोष देखने को मिल रहा है। पाकिस्तान द्वारा कई दशकों से इस क्षेत्र का शोषण किए जाने के बाद गिलगित बाल्टिस्तान के लोग भारत में लद्दाख के साथ इसे मिलाने की मांग करते नजर आ रहे हैं। इंटरनेट पर वायरल हो रहे कई वीडियो निवासियों के बीच असंतोष की हद दिखाते हैं।

एक वीडियो में गिलगित-बाल्टिस्तान में एक विशाल रैली दिखाई गई, जिसमें कारगिल सड़क को फिर से खोलने और भारत में केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के कारगिल जिले में साथी बाल्टियों के साथ पुनर्मिलन की मांग उठाई गई। पिछले 12 दिनों से इस क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन चल रहा है। निवासियों द्वारा गेहूं और अन्य खाद्य पदार्थों पर सब्सिडी की बहाली, लोड-शेडिंग, अवैध भूमि पर कब्जा, और क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों के शोषण जैसे विभिन्न मुद्दों को उठाया गया है। पाकिस्तान का सैन्य प्रतिष्ठान गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र की भूमि और संसाधनों पर जबरदस्ती का दावा करता रहता है।

पाकिस्तान सेना और सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध भी देखा गया है। जमीन का मुद्दा दशकों से बना हुआ है, लेकिन 2015 से स्थानीय लोग यह तर्क दे रहे हैं कि जमीन जीबी के लोगों की है, क्योंकि यह क्षेत्र पीओके में है। हालांकि, जिला प्रशासन का कहना है कि जमीन पाकिस्तानी राज्य से संबंधित किसी व्यक्ति को हस्तांतरित नहीं की गई है।

संपादकीय

यदि वे गलत हैं तो आप अपनी बात सिद्ध करने के लिए जोरदार तर्क क्यों नहीं देते? आप तर्क देने की बजाय शब्दों की तलवार क्यों चला रहे हैं? संविधान की पवित्रता और मान्यता पर धनखड़ ने प्रश्न चिन्ह नहीं लगाया है। उन्होंने जो मूल प्रश्न उठाया है वह यह है कि सर्वोच्च न्यायालय सर्वोच्च है या संसद सर्वोच्च है? देश के सारे न्यायालयों में तो सर्वोच्च न्यायालय सर्वोच्च है।

संविधान ब्रह्मवाक्य नहीं है

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बयान पर हमारे विपक्षी नेता बुरी तरह से बिफर पड़े हैं। कांग्रेसी नेता उन्हें भाजपा सरकार का भौंपू बता रहे हैं और उन्हें उपराष्ट्रपति पद की प्राप्ति ममता-विरोध के फलस्वरूप बता रहे हैं और कुछ विपक्षी नेता उन्हें आपात्काल की जननी इंदिरा गांधी का वारिस बता रहे हैं। जैसे इंदिरा गांधी ने सर्वोच्च न्यायालय की इज्जत को 1975 में तहस-नहस कर दिया था वैसा ही आरोप धनखड़ पर लगाया जा रहा है। इस तरह के आरोप लगानेवाले यह बताएं कि इंदिरा गांधी की तरह धनखड़ को क्या किसी अदालत ने कटघरे में खड़ा कर दिया है? वे अपना कोई मुकदमा तो सर्वोच्च न्यायालय में नहीं लड़ रहे हैं। वे स्वयं प्रतिभाशाली वकील रहे हैं। वे प्रखर वक्ता भी हैं। उन्होंने यदि संसदीय अध्यक्ष सम्मेलन में संसद की सर्वोच्चता पर अपने दो-टूक विचार व्यक्त कर दिए तो यह उनका हक है। यदि वे गलत हैं तो आप अपनी बात सिद्ध करने के लिए जोरदार तर्क क्यों नहीं देते? आप तर्क देने की बजाय शब्दों की तलवार क्यों चला रहे हैं? संविधान की पवित्रता और मान्यता पर धनखड़ ने प्रश्न चिन्ह नहीं लगाया है। उन्होंने जो मूल प्रश्न उठाया है वह यह है कि सर्वोच्च न्यायालय सर्वोच्च है या संसद सर्वोच्च है? देश के सारे न्यायालयों में तो सर्वोच्च न्यायालय सर्वोच्च है। इसमें किसी को कोई शक नहीं है। लेकिन वह संसद से भी ऊँचा कैसे हो गया? संसद चाहे तो एक ही झटके में सारे जजों को महाभियोग चलाकर पदमुक्त कर सकती है। संविधान ने ही उसे यह अधिकार दिया हुआ है। जहां तक संविधान के 'मूल ढांचे' का प्रश्न है किस धारा में उसे अमिट अटल और अपरिवर्तनीय लिखा है? श्री वसंत साठे और मैंने तो लगभग 30 साल पहले देश में अध्यक्षीय शासन लाने का अभियान भी चलाया था। मैं तो आजकल चुनाव पद्धति का भी विकल्प ढूंढ रहा हूं। आप मूल ढांचे पर आंसू बहा रहे हैं संसद चाहे तो पूरे संविधान को ही रद्द करके नया संविधान बना सकती है। क्या हमारा संविधान सर्वोच्च न्यायालय ने बनाकर संसद को थमाया है? सर्वोच्च न्यायालय तो अपने न्यायालयों के और अपने ही कई फैसले रद्द करता रहता है। उसके अपने फैसलों में सारे जजों की सर्वानुमति नहीं होती है। 'मूल ढांचे' के फैसले में भी सात जज एक तरफ और छह जज दूसरी तरफ थे। भारतीय संविधान का मूल ढांचा क्या है इसे सिर्फ अदालत को तय करने का अधिकार किसने दिया है? यदि संसद चाहे तो वह एकदम नया संविधान ला सकती है जैसा कि हमारे कई पड़ौसी राष्ट्रों में हुआ है। हिटलर के मरने के बाद जर्मनी ने डर के मारे जो प्रावधान अपने संविधान के लिए किया था उसकी अंधी नकल हमारे नेता और न्यायाधीश क्यों करें? हमारे देश में हिटलरी चल ही नहीं सकती और हमारा संविधान इतना लचीला है कि पिछले सात दशकों में उसमें लगभग सवा सौ संशोधन हो चुके हैं। इसीलिए इतने उत्थान-पतन के बावजूद वह अभी तक टिका हुआ है लेकिन संविधान संविधान है कोई ब्रह्मवाक्य नहीं है।

सूक्ति

मासिक वेतन पूरनमासी का चाँद है जो एक दिन दिखाई देता है और घटते घटते लुप्त हो जाता है।
- प्रेमचंद

अनुभव की पाठशाला में जो पाठ सीखे जाते हैं वे पुस्तकों और विश्वविद्यालयों में नहीं मिलते।
- अज्ञात

लॉफिंग ज़ोन

एक बार यमराज वकीलों से बहुत कुपित हो गए. उन्होंने वकीलों को सबक सिखाने का फैसला किया. एक बार एक दुकानदार, एक डाक्टर और एक वकील एक साथ उनके पास पहुंचे. यमराज ने कहा कि स्वर्ग में प्रवेश देने से पहले उन तीनों को मेरे एक सवाल का जवाब देना होगा. सबसे पहले दुकानदार की बारी आई. उससे पूछा कि उस जहाज का नाम क्या था, जो बर्फ की चट्टान से टकरा गया था और जिस पर हाल ही में एक फिल्म बनाई गई. दुकानदार ने कहा, 'टाइटैनिक.' उसे भीतर जाने दिया गया. अब डाक्टर से पूछा गया कि इस दुर्घटना में कितने लोग मरे थे. डाक्टर ने कहा,'लगभग डेढ़ हजार.' डाक्टर को भी प्रवेश्र दे दिया गया. अब वकील का नंबर आया. यमराज ने कहा कि तुम करने वालों का नाम बताओं.

☺ ☺ ☺

टीचर(मनु से),'शब्द मूसलाधार को किसी वाक्य में प्रयोग करो.'

मनु,'सर मुझे जब मूसलाधार का ही अर्थ नहीं मालूम तो मैं इसे वाक्य में कैसे प्रयोग करूंगा.'

टीचर,'मूसलाधार का अर्थ होता है बहुत तेजी के साथ, अब इसका वाक्य बनाओ.'

मनु,'कल स्कूल से छुट्टी होते ही मैं घर की तरफ मूसलाधार दौड़ा.'

☺ ☺ ☺

सोहराय संथालों के पकृति प्रेम का पर्व।

(लेखक-कुमार कृष्णन)

आदिवासी समुदाय प्रकृति प्रेमी होते हैं। उनके हर पर्व- त्यौहार में प्रकृति संरक्षण का संदेश छिपा होता है। सोहराय और बंदना पर भी उन्हीं पर्व में से एक है। आधुनिकता के दौर में आदिवासी समाज आज भी परंपराओं का निर्वहन कर रहा है। यही इस समाज की खूबी है।पांच दिनों तक चलने वाले इस पर्व का संबंध सृष्टि की उत्पत्ति से जुड़ा हुआ है। आदिवासी समाज के इस महान पर्व को लेकर झारखंड बिहार छत्तीसगढ़ पश्चिम बंगाल ओड़िशा आदि राज्यों में काफी पहले से तैयारी प्रारंभ हो जाती है। जनजातीय समाज में इस पर्व का बेहद महत्व है। जनजातीय समाज इस पर्व को उत्सव की तरह मनाता है। आदिवासी समाज की संस्कृति काफी रोचक है। शांत चित्त स्वभाव के लिए जाना जाने वाला आदिवासी समुदाय मूलत: प्रकृति पूजक है। आदिवासियों में सोहराय पर्व की उत्पत्ति की कथा भी काफी रोचक है। इसकी कथा सृष्टि की उपत्ति से जुड़ी हुई है। आदिवासी समाज में प्रचलित कथा के अनुसार जब मंचपुरी अर्थात् मृत्यु लोक में मानवों की उत्पत्ति होने लगी तो बच्चों के लिए दूध की जरूरत महसूस होने लगी। उस काल खंड में पशुओं का सृजन स्वर्ग लोक में होता था। मानव जाति की इस मांग पर मरांगबुरु अर्थात् आदिवासियों के सबसे प्रभावशाली देवता। (जन जातीय समाज में मरांगबुरू का स्थान शिव से भी उपर है।) जनजातीय कथा के अनुसार मरांगबुरू स्वर्ग पहुंचे और अयनी बयनी सुगी सावली करी कपिल आदि गाएं एवं सिरे रे वरदा बैल से मृत्यु लोक में चलने का आग्रह करते हैं। मरांगबुरू के कहने पर भी ये दिव्य जानवर मंचपुरी आने से मना कर देते हैं तब मरांगबुरू उन्हें कहते हैं कि मंचपुरी में मानव युगों-युगों तक तुम्हारी पूजा करेगा तब वे दिव्य स्वर्ग वाले जानवर मंचपुरी आने के लिए राजी होकर धरती पर आते हैं और उनके आगमन से ही इस त्योहार का प्रचलन प्रारंभ होता है। जाहिर है उसी गाय-बैल की पूजा के साथ सोहराय पर्व की शुरुआत हुई है। पर्व में गाय-बैल की पूजा आदिवासी समाज काफी उत्साह से करते हैं। त्यौहार के दिनों में आदिवासी बहुल गांव से निकलती टमाक मांदर झंझार और बांसुरी की मिश्रित तरंगों से वातावरण मादक होता जा रहा है। सोहराय भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है। यह प्रकृति एवं पशु-पक्षियों के प्रति श्रद्धा एवं देवी-देवताओं के प्रति विश्वास का पर्व है। सोहराय पर्व फसल काटने के बाद पूस माह में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर प्रत्येक संथाल परिवार अपने संबंधियों को आमंत्रित करता है। खास करके यह पर भाई बहन के पवित्र रिश्ता को समेटता है। छह दिन तक चलने वाले इस पर्व में संथाल लोग न केवल अपने देवी देवताओं एवं इष्ट देव की पूजा करते हैं। अपितु गाय भैंस बैल हल एवं अन्य औजारों की भी पूजा करते हैं।प्रत्येक दिन का अपना अलग-अलग महत्व और नामकरण होता है। सोहराय के पांच दिन का अलग अलग महत्व है। प्रत्येक दिन जीवन के विभिन्न पक्षों को उजागर करता है। अपने देवी-देवताओं पितरों तथा गोधन के पूजन अर्चन के साथ सगे संबंधियों का मान -सम्मान शिकार नृत्य और खानपान को पांच दिनों में लयबद्ध किया जाता है।संथालों की इस महान पर्व सोहराय के पहला दिन को उम् हिलाक् या उम्माहा कहा जाता है इसका अर्थ स्नान का दिन होता है। उस दिन के पूर्व संध्या काल गांव का गोड़ाईत गांववालों से उगाह कर तीन मुर्गे नाइके के यहां दे आता है।नायके उन मुर्गों को अपने यहां बांध कर रखते हैं। प्रात: काल गोड़ाईत घर-घर एक-एक मुर्गा-मुर्गी एक -एक पैला चावल और थोड़ा थोड़ा नमक मसाला उगाहता है। नाइके की पत्नी नहाकर आती है और नायक के गांव के गोड़ाईत गांव के अन्यान्य लोगों के साथ किसी जलाशय के पास जाते हैं। गांव के भी सभी गणमान्य लोग मांझी परानिक जोगमांझी जोग परानिक नाइकी आदि स्नान एवं नया वस्त्र पहनकर गोरटांडी में सोहराय के स्वागत के लिए पहुंचते हैं। मुर्गे- मुर्गियां चावल नमक मसाले आदि के साथ एक अंडा और सिंदूर भी वहां ले जाया जाता है। नाइके स्नान करके जलाशय के किनारे चावल के आटे से एक वेदी बनाते हैं और उस पर चावल और सिंदूर डालते हैं। बेदी के बीच में थोड़ा सा चावल डालकर उसमें अंडा स्थापित कर उस पर सिंदूर दे दिया जाता है। फिर एक मुर्गे पर जल छिड़ककर उसके माथे पर सिंदूर लगा दिया जाता है।मांझी द्वारा अपने अपने देवता इष्टदेव मरांग बुरु जाहेर एरा आदि को मुर्गा की बलि देते हैं। जाहेर एरा का आह्वान इन शब्दों में करते हुए मुर्गे का बलि दी जाती है कि देवी आज से सोहराय का शुभारंभ कर रहे हैं यह बलि स्वीकार करें। जाहेर ऐरा गोसाई ऐरा ठाकुर ठकुराइन परगना बोंगा मरांग गुरू के नाम से पूजा-अर्चना करते हैं। इस गांव के मांझी सभी को सोहराय पर्व के अवसर पर शांति सदभाव आपसी प्रेम को बनाए रखने के लिए उपदेश देता है। मांझी सबके सामने कहते हैं कि हम सोहराय मना रहे हैं किसी को कोई दुख तकलीफ हो तो कहो। सोहराय का क्रम पांच दिनों तक चलेगा खान पान नाच- गान गायन- वादन लगा रहेगा त्यौहार भर आपस में कोई वाद-विवाद लड़ाई -झगड़ा न हो इस अवसर पर सबको पूरी स्वच्छन्दता है परंतु जो कुछ किया जाए सोच समझकर उचित-अनुचित या जानबूझकर किया जाना चाहिए। स्वच्छन्दता में खिल न डाला जाय देख कर भी अनदेखा कर दिया जाए सुनकर भी अनसुना कर दिया जाए।इस दिन मुर्गे को मिलाकर खिचड़ी बनाई जाती है। सब मिलजुल कर नाचते-गाते हुए गांव की ओर प्रस्थान करते हैं।नृत्य संगीत और गीत जारी रहता है। दूसरा दिन को दकाय हिलाक् या बोंगा महा कहा जाता है। जिसका अर्थ होता है पूजा का दिन।इसदिन गांव के बाहर चारागाह में कई चौखुंटा वृत बनाते हैं। सभी वृतों में कुछ अरवा चावल रखा जाता है तथा एक- एक मुर्गी का अंडा रखा जाता है। पुरोहित चरवाहों की लाठी को पूजता है उस पर सिंदूर और दुर्वादल दल चढ़ता है। उन वृतों के अंदर गाय बैल जब तक रखे जाते हैं जब तक उनमें से एक मुर्गी के अंडे को पैरों से मसल न दे। जिस गाय या बैल द्वारा अंडे को तोड़ा जाता है उसे फूलों की माला पहनाई जाती है तथा उसके सिंग और माथे पर सिंदूर लगाया जाता है। जिस बालक की गाय होती है उसे भाग्यशाली समझा जाता है। गांव के प्रमुख उस बालक को कंधे पर बैठाकर ले जाते हैं।गांव में सब लौट जाते हैं तब वे पुरोहित के घर जाते हैं। वहां पीने को हड़िया मिलता है। फिर अपने सगे संबंधियों के घर जाते हैं वहां खाते पीते हैं संध्या के समय कुवांर और कुवांरिया जोगमांझी के घर जाते हैं वहां हुए उनसे अनुरोध करते हैं कि इस अवधि में उनके कामों की ओर ध्यान न दें।यौन सीमा का यत्र तत्र उल्लंघन हो जाता है पर्व की प्रथम रात्रि में गांव के लोग जानवरों को जगाते गिरते हैं वह स्थान के चारों ओर नगाड़ा बजाते हुए गाते हैं। गांव के जानवर जब जग जाते हैं पर सभी कुवांरे जानवरों से आशीष लेते हैं उन्हें माला पहनाई जाती है तथा खाने के लिए मिठाइयां दी जाती है। उन्हें औरतें आशीष देती है। दूसरे दिन गांव के प्रत्येक घर में मुखिया को गोहाल का पूजन करता है। उसके बाद वृत बनाता है और वहां अरवा चावल रखता है तथा उसे सिंदूर रंगता है और मारांगबुरु तथा पितरों का आह्वान पूजन करके उन्हें उजले तथा लाल रंग के मुर्गे की बलि चढ़ाते हैं और कहते हैं- लो हमारी सेवा स्वीकार करो हम तुम्हारा प्रसाद पाएंगे हमें सिर दर्द ना हो पेट दर्द न हो कोई कलह भी ना हो।तीसरे दिन को खूंटाव बांधना या खुटोड़ माहा कहा जाता है । इस दिन मांझी के घर पर नगाड़ा बजाया जाता है। उनकी आवाज सुनकर गांव वाले उनके यहां जमा होते हैं।मांझी की ओर से उन्हें हड़िया पीलिया जाता है। सलाह -मशविरा किया जाता है कि बैल खूंटें जाए या नहीं सब कुशल मंगल तो है बैल खूंटने का निश्चय हो जाने पर मांझी के आदेश पर जोगमांझी की देखरेख में क्रमश: मांझी पराणिक जोगमांझी जोगपराणिक और गोड़ाईत इसके घर के सामनेगांव का गली में एक- एक या दो- दो गड्ढे खोदकर लंबे लंबे बांस गाड़ी जाते हैं और बांसों से बैलों का खूंटने के लिए एक एक मजबूत रस्सा लगा दिया जाता है। तीसरे पहर बैलों को लोग को घर के बाहर लाते हैं। तब प्रत्येक परिवार के चरवाहे को गुहाल के दरवाजे पर नहला कर तेल लगाया

जाता है तथा उसे मूढ़ी और पुए खाने को दिए जाते हैं।इसके बाद युवकों द्वारा बैलों को जगाया जाता है। फिर जिन बैलों के खूंटा जाना है उसके सींकों में नए धान की वालों और दो- पकवानों का हार बनाकर बांध दिया जाता है और उसमें सिंदूर लगा दिया जाता है। फिर बैलों को गली में गाड़े हुए बांसो में बांधकर या खूंटकर उन्हें नगाड़ा बजाते हुए भड़काया जाता है जो बैल जितना अधिक भड़कता है उसकी उतनी ही तारीफ होती है। खुंटाऊ के बाद सब लोग जोगमांझी के घर जमा होते हैं। जहां उन्हें हड़िया और दो दो मुट्ठी दी जाती है। चौथा दिन को जालेमहा कहा जाता है। यह दिन जलसा का यानी मनोरंजन का दिन होता है। इस दिन युवक युवतियों का दल खाने पीने के बस्तुओं के लाकर जमा करता है। नृत्य संगीत खान-पान जारी रहता है। पांचवा दिन हाको काटकोम माहा कहा जाता है अर्थात मछली केकड़ा पकड़ने का दिन होता है।छठे दिन को बेझा हिलाक् या शिकार का दिन बोला जाता है। संथाली में विशेष सकरात बोला जाता है। सोहराय में पुरुष शिकार करने जाते हैं और शिकार करके जो कुछ भी लाते हैं सपरिवार उसका प्रसाद ग्रहण करते हैं। उसके बाद सब बेझा टांडी में पहुंचते हैं। जहां एक शिकार का धड़ काट कर जमीन पर गाड़ दिया जाता है। उसमें एक पीठा रख दिया जाता है। उसके बाद जोग मांझी सभी ग्रामीण नव युवकों को अपने तीर-धनुष से निशाना लगाते हैं। उसके बाद सभी पुरुष महिलाएं एकत्रित होकर नाच-गान करते हैं और सोहराय का समापन करते हैं। इस दिन जोगमांझी के घर सह भोज होता है। अंतिम दो दिनों में संभाल समुदाय के लोग जीवन का आनंद लेते हैं। हंसने खेलने की पूरी स्वच्छन्दता रहती है। यौन संबंध की स्थापना में भी पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त रहती है लेकिन यह स्वतंत्रता विवाहित लोगों को प्राप्त नहीं है। आचरण हीनता पर कठोर दंड का प्रावधान है। पर्व की अंतिम रात्रि में कुवांरे युवक और युवतियां जोगमांझी जी के घर पर सोते हैं। इस पर्व में नृत्य और पूजा के विभिन्न अवसरों पर कुंवारे युवक-युवतियों के मेलजोल कालांतर में प्रेम विवाह में परिणत हो जाते हैं। सोहराय के स्वागत और विदाई के गीत मौसम की सजीवता उल्लास और विरह के रंगों से रंगे हैं।ज्योंही ही पर्व का आगमन होता है आदिवासी वालाएं ढोल और मांदर की थाप पर थिरकने लगती है और गाती है। मानव जीवन और प्रकृति के बीच अन्योन्याश्रय संबंध को परिलक्षित करने वाला पर्व सोहराय है। इसकी शुरूआत गोड टांडी से होती और बैझा टांडी में समाप्त होता है । प्रकृति पुत्रों द्वारा मनाया जाने वाला यह छह दिनी उत्सव अनादि सभ्यता की निरंतरता की गाथा का एक स्वर्णिम अंश है जो आज भी अक्षुण्ण है। इस पर्व में अपने देवी देवताओं से लेकर पालतू जानवरों की पूजा की जाती है। अपने पूर्वजों की पूजा की जाती है। सभी लोग अपने अपने दुःख-दर्द बैर भाव आपसी दुश्मनी को छोड़कर आपस में मिलजुल कर सोहराय मनाते हैं। यह त्यौहार एक दूसरे को प्रेम सूत्र में बांधते हैं। यह अमीर-गरीब ऊंच-नीच की भावना को मिटा कर आपस में प्रेम की भावना जगती है। उल्लास से परिपूर्ण इस पर्व में जीवन की खुशियां और मृदुल तत्वों की सुंदरता की अभिव्यक्ति देखने को मिलती है।

नेतृत्व के नैतिक पहलू - संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

एक अच्छा लीडर या नेता होने के लिए यह जानना ज़रूरी है कि क्या किया जाए और उसे क्यों किया जाए? केवल उत्साह, प्रेरणा, योग्यता, और कामों को सही तरीके से करना ही पर्याप्त नहीं है। यह जानना भी बहुत आवष्यक है कि सही काम आखिर है क्या? इसके लिए ज़रूरत है नैतिक नेतृत्त्व की। नैतिक नेतृत्त्व के दो मुख्य पहलू हैं: एक अपने सच्चे स्वरूप को जानना और दूसरा मानवजाति की सेवा करना। सच्चे नेता को अपने आप के बारे में जानकारी होनी चाहिए ताकि वह अपने आस-पास या संपर्क में आने वाले व्यक्तियों के कार्यों को सही दिषा-निर्देष दे और अपने पीछे चलने वालों को भी सही मार्ग-दर्षन प्रदान करे। इस संबंध में महापुरुषों ने सदियों से हमे एक स्पष्ट और सरल संदेष दिया है: "अपने आपको जानो!"

नेतृत्त्व में यह ज़रू री है कि "हम कौन हैं?" और च्हम क्या करते हैं?" इसका बात का मनन करें। एक नेता की तरह आचरण करने के अलावा हमारे अंदर एक सच्चे नेता के गुण, व्यवहार, और आदतें होना भी ज़रूरी है। एक सच्चा नेता अपने अस्तित्व की सच्चाई का सामना करने की हिम्मत रखता है। वह अपने उदाहरण द्वारा दूसरों को प्रेरित करता है कि वे भी सच्चाई से ज ुड़ते हुए प्रभु की आदर्श संतान बन सके । ऐसा नेता अपने हृदय और आत्मा के अंदर झाँकता है, आत्म-विश्लेषण करता है और अपने भीतर की आत्म-षक्ति के संपर्क मे आता है। वह अपनी आत्मा की असीम शक्ति के साथ जुड़ जाता है, तथा चरित्र व इच्छा शक्ति के अद्वितीय बल का प्रदर्षन करता है लेकिन फिर भी उसका व्यवहार बेहद नम्रता और करुणा से भरपूर होता है। सच्चा नेतृत्त्व केवल एक खास ढंग से आचरण करना ही नहीं है बल्कि सच्चा नेतृत्व तो वो होता है जो हमारी भीतरी सच्चाई का प्रतिबिंब हो।

कई लोग सिर्फ़ जीवन की साधारण दिनचर्या में ही व्यस्त रहते हैं-जागना, तैयार होना, खाना, पैसा कमाने के लिए काम करना, वापस घर आना, और अगले दिन फिर इसी दिनचर्या का पालन करना। हमारा पूरा जीवन बड़े होने, नौकरी या व्यवसाय करने, परिवार की देखभाल करने, रिटायर होने, और फिर इस संसार को छोड़कर चले जाने में ही व्यतीत हो जाता है। ऐसी ज़िंदगी जीते हुए हम सोचने लगते हैं कि क्या यही जीवन है? तब हमें यह समझ में आ जाता है कि कोई उच्चतर शक्ति है जो हमारा मार्गदर्षन कर रही है।

यही आध्यात्मिक शक्ति समस्त नैतिकता, सद्गुणों, ताकत और जीवन का स्रोत है। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम उसे क्या कहकर पुकारते हैं-परमात्मा, चेतनता या आत्मा। यह शक्ति हममें से हरेक के भीतर मौजूद है और हमे जान दे रही है। एक बार जब हम इस अनंत आध्यात्मिक शक्ति के संपर्क में आ जाते हैं, तो हमें यह अनु भव हो जाता है कि यह शक्ति सच्चे नेताओं के गुणों का स्रोत है नेतृत्त्व का दूसरा पहलू है सेवा। इतिहास के महान व्यक्तियों ने कहा है कि अपने से पहले दूसरों की सेवा करना ही एक सुखी और संतुष्टिपूर्ण जीवन की कुंजी है। एक नेता को सबसे पहले एक सेवक होना चाहिए। दूसरों की सेवा करने से ही हमें उनका नेतृत्त्व करने का अधिकार मिलता है।

सच्चा नेता बनने का अर्थ है, "सच्चा इंसान बनना।" नेतृत्त्व अतिगहन और निरंतर चलने वाले आत्म-विष्लेषण से ही उत्पन्न होता है। यह व्यक्तिगत आध्यात्मिक विकास और सेवा के प्रति समर्पित जीवन का चयन करना है। यदि हम अपने आंतरिक आध्यात्मिक स्रोत के साथ जुड़ जाएँ तो हम ऐसे नेता बन सकते हैं जिनका जीवन दूसरों को भी प्रेरणा प्रदान करेगा।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी) राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलत- इन समस्त गुणों से परे होता है। लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलत- वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का। श्रद्धा मूलत: सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्विक कार्यो से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्विक नहीं होती वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं। अत- किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

चन्द्रमा पर आधारित पंचाग के अनुसार जब सूर्य कर्क रेखा से मकर रेखा पर आ जाता है तब उसे सूर्य उत्तरायण कहा जाता है पौष माह के मध्य मे और आधुनिक पंचाग के अनुसार 14 जनवरी के दिन पड़ता है सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि मे आने और जाने को सक्रांति कहते है पूरे भारतवर्ष मे यह त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता रहा है पंजाब मे लोहडी,उत्तर भारत मे मकर-सक्रांति, दक्षिण मे पोंगल,पूर्वीय पर्वतीय भारत मे बिहू के रूप मे मनाया जाता है लोग इस दिन को तिल और खिचडी सक्रांति भी कहते है क्योकि इस दिन के ये प्रशिद्ध पकवान है यह त्यौहार हिन्दू लोगो के लिए बहुत ही शुभ दिन है और इस दिन लोग सुबहे सूर्य निकलने से पूर्व ही ही स्नान करते हुए ही सूर्य देवता की पूजा करते है और संपूर्ण भारत मे हिन्दू लोग भारी संख्या मे पवित्र नदिया मे स्नान करते है और गरीबो के लिए दान और भोजन का प्रबंध करते है

प्यार, एकता व आस्था का त्योहार

मकर सक्रांति

ब्रह्म मुहूर्त में करें स्नान

मकर संक्रांति के अवसर पर ब्रह्म मुहूर्त में ही स्नान करना अच्छा माना जाता है। कुछ लोग गंगा जी जाकर स्नान करते हैं तो जो नहीं जा पाते वे घरों में ही पानी में गंगा जल मिलाकर स्नान कर मकर संक्रांति का पुण्य प्राप्त कर लेते हैं। इस दिन खिचड़ी का दान किया जाएगा। पूर्व उत्तरप्रदेश में इसे खिचड़ी संक्रांति भी कहते हैं। कहा जाता है कि जाड़े के दिनों में जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है तो माघ का महीना प्रारंभ हो जाता है। इस महीने उड़द की खिचड़ी एवं रेवड़ी-मूंगफली खाने से शरीर में ऊर्जा बढ़ती है। इस प्रकार यह पर्व प्रकृति परिवर्तन के साथ शरीर का संतुलन बनाए रखने की ओर भी इशारा करता है। उत्तराखंड के लोग इसे घुघुतिया त्योहार भी कहते हैं जिसमें आटे को गुड़ या शहद में तैयार कर शकरपारे बनाए जाते हैं तथा सुबह स्नान करने के बाद काले कौआ काले पूस की रोटी माघ में खाले, के नारे लगाते हुए छोटे-छोटे बच्चे घुघुत को कौआ को बुलाकर खिलाएंगे। भगवान श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं समस्त प्रकृतियां, ऋतु एवं महीने सब मुझसे ही पैदा होते हैं। इसलिए भारतीय उपासना पद्धति में प्रत्येक ऋतु, मास, पक्ष, सप्ताह एवं दिन-रात परामात्मा के स्वरूप ही माने गए हैं। इसीलिए हमारी उपासना सनातन उपासना कहलाती है। हर दिन किसी न किसी देवता की उपासना से जुड़ा होने से नित उत्सव का आनंद लोगों को मिलता ही रहता है। साथ ही किसी विशेष पर्व पर होने वाले धार्मिक उत्सव में तो सारा जनमानस एक-साथ आनंद में झूमने लगता है। इसी कड़ी में है लोहड़ी और मकर संक्रांति का पर्व जो हमें धार्मिक अनुष्ठान करते हुए प्रकृति से जुड़े रहने का संदेश देता है। इसकी धूम गांव, नगर, शहर हर जगह दिखाई देती है। ज्योतिषियों के अनुसार मकर संक्रांति के दिन तिल का उपयोग 6 प्रकार से करना चाहिए। तिल का तेल जल में डालकर स्नान, तिल के तेल की शरीर पर मालिश करके स्नान, तिल का उपयोग हवन सामग्री में, तिलयुक्त जल का सेवन, तिल व गुडयुक्त मिठाई व भोजन का सेवन, तिल का दान करने से शारीरिक, धार्मिक व अन्य लाभ तथा पुण्य प्राप्त होते हैं। इसके अतिरिक्त पूजन में चंदन से अष्टदल का कमल बनाकर उसमें सूर्यदेव का चित्र स्थापित करें। शाम को तिलयुक्त भोजन से अपना व्रत खोलें।

ग्रहों के अनुसार दान कर पाएं सफलता

कहते हैं सौ हाथों से कमाएं और हजार हाथों से खर्च करें तो जिंदगी में आपको कभी किसी भी तरह की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा। मकर सक्रांति पर आपकी जन्मकुंडली में जो ग्रह कमजोर हो उस ग्रह से संबंधित दान देकर ग्रहों के अशुभ प्रभाव को दूर कर अपने भविष्य को उज्जवल बना सकते हैं इससे आपको करियर में सफलता मिलने लगेगी।

सूर्य - माणिक्य, गेहूं, सवत्सा, गाय, लाल वस्त्र, लाल फूल, गुड़, स्वर्ण, तांबा, लाल चंदन, केशर, भूमि, भवन आदि।

चंद्र - टोकरी (बांस की), चावल, कर्पूर, सफेद कपड़ा, मोती, चांदी, दूध, दही, मिश्री, शकर, घी आदि।

मंगल - गेहूं, मसूर, लाल, कपड़ा, गुड़ तांबा, लाल फूल, लाल चंदन, केशर, लाल बैल, भूमि, मूंगा आदि।

बुध - हरा वस्त्र, स्वर्ण, ही मूंग, पन्ना, कस्तूरी आदि।

गुरु - पीला धान्य, पीला कपड़ा, पुखराज, स्वर्ण, चांदी, शकर, शहद, नमक, केसर, वृद्धों की सेवा, हल्दी, घोड़ा।

शुक्र - सफेद घोड़ा, गाय-बछड़े सहित हीरा, इत्र, सेंट, चावल, घी, कर्पूर, सफेद वस्त्र, चंदन, शकर, मिश्री।

शनि - उड़द, तिल, तेल, काली गाय, काला वस्त्र, कंबल, जूता, स्वर्ण, नीलम, चांदी आदि।

राहु - गेहूं, उड़द, गोमेद, काला घोड़ा, तलवार, तेल, लोहा, रत्न, अभ्रक, नीला कपड़ा।

केतु - लहसुनिया, तिल, कंबल, कस्तूरी, चाकू, लोहा, छतरी, सीसा, रागा, बकरा, काला कपड़ा आदि।

मकर संक्रान्ति भारत के प्रमुख त्यौहारों में से एक है। यह पर्व प्रत्येक वर्ष जनवरी महीने में समस्त भारत में मनाया जाता है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण होता है, जब उत्तरी गोलार्ध सूर्य की ओर मुड़ जाता है। परम्परा से यह विश्वास किया जाता है कि इसी दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। यह वैदिक उत्सव है। इस दिन खिचड़ी का भोग लगाया जाता है। गुड़-तिल, रेवड़ी, गजक का प्रसाद बाँटा जाता है। इस त्यौहार का सम्बन्ध प्रकृति, ऋतु परिवर्तन और कृषि से है। ये तीनों चीजें ही जीवन का आधार हैं। प्रकृति के कारक के तौर पर इस पर्व में सूर्य देव को पूजा जाता है, जिन्हें शास्त्रों में भौतिक एवं अभौतिक तत्वों की आत्मा कहा गया है। इन्हीं की स्थिति के अनुसार ऋतु परिवर्तन होता है और धरती अनाज उत्पन्न करती है, जिससे जीव समुदाय का भरण-पोषण होता है।

संक्रांति का अर्थ

संक्रान्ति का अर्थ है सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में जाना, अत- वह राशि जिसमें सूर्य प्रवेश करता है, संक्रान्ति की संज्ञा से विख्यात है। राशियाँ बारह हैं, यथा मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृच्छिक, धनु, मकर, कुम्भ, मीन। मलमास पड़ जाने पर भी वर्ष में केवल 12 राशियाँ होती हैं। प्रत्येक संक्रान्ति पवित्र दिन के रूप में ग्राह्य है। भारत विविधताओं में एकता वाला देश है। यहाँ हर जाति व संस्कृति व धर्म को मानने वाले लोग रहते हैं। हमारे यहाँ कई त्योहार मनाए जाते हैं, जो ईश्वर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने तथा सामाजिक संबंधों को नई मजबूती प्रदान करने के लिए मनाए जाते हैं। मकर संक्राति भी इन्हीं त्योहारों में से एक है। यह त्योहार इस संपूर्ण सृष्टि में ऊर्जा के प्रमुख स्त्रोत सूर्य की आराधना के पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन सूर्य सिंह राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। सूर्य के दक्षिणायन से उत्तरायन होने के साथ ही मौसम में परिवर्तन होता है और त्योहार के रूप में खुशियाँ मनाई जाती हैं। कहा जाता है कि इस दिन के बाद हर दिन तिल के बराबर बड़ा होता जाता है।

हर प्रांत हर रंग

भारत के अलग-अलग प्रांतों में इस त्योहार को अलग-अलग ढंग से मनाया जाता है लेकिन इन सभी के पीछे मूल ध्येय एकता, समानता व आस्था दर्शाना होता है। मकर सक्रांति को पोंगल, लोहड़ी, पतंग उत्सव, तिल सक्रांति आदि नामों से भी जाना जाता है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने का, तिल-गुड़ खाने का तथा सूर्य को देने का अपना एक महत्व है। बचपन की यादें ताजा करने व दोस्तों के साथ फिर से हँसी-ठहाके करने का त्योहार मकर सक्रांति है। गिल्ली-डंडे के खेल के रूप में मौज-मस्ती के एक बहाने के रूप में म.प्र. में यह त्योहार मनाया जाता है। इस त्योहार पर परिवार के बच्चे से लेकर बूढ़े सभी एक साथ गिल्ली-डंडे के इस खेल का आनंद उठाते हैं।

लाल, हरी, नीली, पीली आदि रंग-बिरंगी पतंगें जब आसमान में लहराती हैं तो ऐसा लगता है मानो इन पतंगों के साथ हमारे सपने भी हकीकत की ऊँचाईयों को छू रहे हैं और हम सभी सारे गिले-शिकवे भूलकर एक-दूसरे की पतंगों के पेंच लड़ा रहे हैं। गुजरात में मकर सक्रांति के दिन पतंगबाजी के आयोजन में इसी प्रकार का सांप्रदायिक सद्भाव देखने को मिलता है। यहाँ अलसुबह ही सभी लोग अपने घरों की छतों पर जमा होकर पतंगबाजी करके खु?शी व उल्लास के साथ इस त्योहार का भरपूर लुत्फ उठाते हैं। कहते हैं जिंदगी बहुत छोटी है और यदि हम इस छोटी सी जिंदगी में भी अपनों से बैर पालकर बैठ जाएँ तो जिंदगी का क्या मजा आएगा? इस दिन सभी पुराने गिले-शिकवे भूलाकर तिल-गुड़ से मुँह मीठा कर दोस्ती का एक नया रिश्ता कायम किया जाता है। समूचे महाराष्ट्र में इस त्योहार को रिश्तों की एक नई शुरुआत के रूप में मनाया जाता है। कुछ इसी तरह पंजाब में लोहड़ी के रूप में तो तमिलनाडु में पोंगल के रूप में इस त्योहार को मनाते हुए प्रकृति देवता का नमन किया जाता है।

क्या करें

हमारे धार्मिक आख्यानों के अनुसार मकर संक्राति के दिन हमें ब्रह्म मूहर्त में किसी पवित्र नदी में स्नान कर सूर्य देवता को देना चाहिए। उसके बाद यथोचित दान-धर्म कर अपने ईश्वर का नमन करना चाहिए तथा अपनों के साथ खुशियाँ बाँटकर इस त्योहार को मनाना चाहिए। हर त्योहार हमारे लिए कुछ न कुछ संदेश लेकर आता है। मकर सक्रांति का त्योहार भी हमें भेदभाव भूलाकर एकजुट होने का संदेश देता है। तो क्यों न इस दिन हम सभी एक-दूसरे के साथ प्रेम, आत्मीयता व सम्मान का एक नया रिश्ता कायम करें।

दक्षिण भारत का छठ है पोंगल

दक्षिण में मकर संक्रांति को पोंगल के रुप में मनाया जाता है। सौर पंचांग के अनुसार यह पर्व महीने की पहली तारीख को आता है। पोंगल विशेष रूप से किसानों का पर्व है। पोंगल सामान्यतः तीन दिन तक मनाया जाता है। पहले दिन कूड़ा-करकट एकत्र कर जलाया जाता है, दूसरे दिन लक्ष्मी की पूजा होती है और तीसरे तीन पशु धन की। पोंगल के दिन स्नान करके खुले आँगन में मिट्टी के नए बर्तन में खीर बनाई जाती है, जिसे पोंगल कहते हैं। इसके बाद सूर्य भगवान को नैवेद्य चढ़ाया जाता है। तब खीर को प्रसाद रूप में सब लोग ग्रहण करते हैं। इस दिन बेटी और दामाद का घर पर स्वागत किया जाता है। तीसरे दिन किसान अपने पशुओं को खूब अच्छी तरह सजाकर जुलूस निकालते हैं। कन्याओं के लिए यह हर्षोल्लास का पर्व है।

मकर संक्रांति को देश में कई नामों से जाना जाता है. जहां उत्तर भारत में इसे खिचड़ी के नाम से जानते हैं वहीं दक्षिण भारत में इसे पोंगल कहा जाता है. पोंगल तमिल हिन्दुओं का एक प्रमुख त्यौहार है. यह त्यौहार हमारे दक्षिण भारत की संस्कृति को दुनिया के सामने रखता है. पोंगल का महत्व दक्षिण भारतीयों के लिए उसी तरह है जैसा उत्तर भारतीयों के लिए छठ पर्व.

आखिर कैसे पड़ा नाम पोंगल

इस त्यौहार का नाम पोंगल इसलिए है क्योंकि इस दिन सूर्य देव को जो प्रसाद अर्पित किया जाता है वह पोगल कहलता है. तमिल भाषा में पोंगल का एक अन्य अर्थ निकलता है अच्छी तरह उबालना. दोनों ही रूपों में देखा जाए तो बात निकल कर यह आती है कि अच्छी तरह उबाल कर सूर्य देवता को प्रसाद भोग लगाना सबसे जरूरी है.

पोंगल पर्व मनाने का कारण

पोंगल मकर संक्रांति का ही एक रूप है. जिस तरह लोहड़ी और मकर संक्रांति फसलों से जुड़े हैं यह पर्व भी फसलों से ही संबंधित है. जनवरी महीने तक तमिलनाडु की मुख्य फसल गन्ना व धान पककर तैयार हो जाती है. जब किसान अपने खेतों में लहलहाती फसलों को देखता है तो वह भगवान के प्रति अपना आभार व्यक्त करने के लिए पोंगल का त्यौहार मनाता है. पोंगल के त्यौहार में मुख्य रूप से बैल की पूजा की जाती है क्योंकि बैल के माध्यम से किसान अपनी जमीन जोतता है और साथ ही भगवान को नई फसल का भोग लगाया जाता है.

छठ जैसी पवित्रता

जिस तरह बिहार समेत उत्तर भारत के लोग छठ मनाते हैं, वैसी ही पवित्रता के साथ दक्षिण भारत में पोंगल मनाया जाता है. इसमें दीपावली की रस्म भी पूरी की जाती है.

तीन दिन का पर्व पोंगल

पोंगल सामान्यत: तीन दिन तक मनाया जाता है. पहले दिन कूड़ा-करकट एकत्र कर जलाया जाता है, दूसरे दिन लक्ष्मी की पूजा होती है और तीसरे दिन पशु धन की.

पोंगल पर्व का आरंभ 'बोगी पोंगल' से होता है, तो समापन 'कानुम पोंगल' से होता है. सूर्य देव की आराधना पर आधारित इस पर्व के लिए मायके से चावल, गुड़, घी आदि से आता है. मकर संक्रांति के एक दिन पहले बोगी पोंगल को घर की साफ-सफाई कर कचरे को घर के बाहर जलाया जाता है. इसके बाद आंगन में बहुत बड़ी रंगोली बनाई जाती है. 14 जनवरी को मिट्टी के नए बर्तन को मिट्टी के चूल्हे पर चढ़ाया जाता है जिसमें संयुक्त परिवार की महिलाएं अपने-अपने मायके से आए चावल, गुड़ और घी डालती हैं. जब मीठा चावल तैयार हो जाता है, तो छत पर पुरुष सदस्य सूर्य देव की पूजा करते हैं. इसी क्रम में दूध को उबाला जाता है. आमतौर पर उबलते हुए दूध का बर्तन से गिरना अशुभ माना जाता है, लेकिन पोंगल में इसे शुभ माना जाता है. दक्षिण के अलावा किसी भी दिशा में दूध उबलकर गिरता है तो उसे प्रणाम किया जाता है. मान्यता है कि ऐसा होने से पूरे वर्ष उनके घर सुख-समृद्धि बनी रहेगी. उस दिन पोंगल (खिचड़ी) के अलावा दही बड़ा अवश्य बनता है, जिसे महिलाएं नई हल्दी का लेप लगाकर स्नान करने के बाद ग्रहण करती हैं. तीसरे दिन कानुम पोंगल में लोग एक-दूसरे के घर जाते हैं. विवाहित महिलाएं लड़कियों को हल्दी का तिलक लगाकर आशीर्वाद देती हैं. इसी दिन चावल को अलग-अलग रंग में रंगकर घर के बाहर रखा जाता है, ताकि चिड़ियां उसे खाएं. तीनों दिन गन्ना जरूर खाया जाता है. यह त्यौहार भारतीय संस्कृति की पहचान है. माना कि समय के साथ इसमें थोड़ा-बहुत बदलाव आया है, लेकिन नियम-पवित्रता से कोई समझौता नहीं किया जाता है.

त्योहारों को पूर्णता देता है पोंगल

पोंगल अर्थात् खिचड़ी का त्योहार सूर्य के उत्तरायण होने के पुण्यकाल में मनाया जाता है। खुले आँगन में हल्दी की जड़ की गाँठ को पीले धागे में पिरोकर पीतल या मिट्टी की हाँड़ी की गर्दन में बाँधकर उसमें चावल एवं मूँग की दाल की खिचड़ी पकाते हैं। उसमें उफान आने पर दूध व घी डाला जाता है। उफान आते ही घर के सभी सदस्य गाजे-बाजे के साथ पोंगल - पोंगल की आवाज़ लगाकर खुशी प्रकट करते हैं। वह उफान सुख और समृद्धि का परिचायक है। लोग एक-दूसरे के सुख व समृद्धि की कामना करते हैं। गन्न के साथ सूर्यदेव की पूजा की जाती है। इस दिन आग पर हाँड़ी चढ़ाने का विशेष मुहुर्त होता है, जिसे देखकर हाँड़ी को आग पर चढ़ाया जाता है। उबलता हुआ दूध जब पात्र में से गिरने लगता है, तो उसे समृद्धशाली कृषि ऋतु का प्रतीक माना जाता है। हल्दी के पौधे की छोटी-छोटी टहनियों को बर्तनों के चारों ओर बाँधा जाता है तथा उसके साथ-साथ सूर्य व चन्द्रमा की आकृतियाँ बनाई जाती हैं। सभी अपने मित्रों व सगे-सम्बन्धियों से मिलते हैं तथा मिठाइयों की भेंट देते हैं। पोंगल के समय गन्ने की फ़सल तैयार हो चुकी होती है तथा गन्ना सभी हाट-बाज़ारों में खूब बिकता है। जगह-जगह बच्चे गन्ना चूसते नज़र आते हैं।

रिश्तों की मधुरता का त्योहार लोहड़ी

लोहड़ी उत्तर भारत का एक प्रसिद्ध त्योहार है। यह मकर संक्रान्ति के एक दिन पहले मनाया जाता है। मकर संक्रान्ति की पूर्वसंध्या पर इस त्यौहार का उल्लास रहता है। रात्रि में खुले स्थान में परिवार और आस-पड़ोस के लोग मिलकर आग के किनारे घेरा बना कर बैठते हैं। इस समय रेवड़ी, मूंगफली, लावा आदि खाए जाते हैं। लोहड़ी पौष के अंतिम दिन, सूर्यास्त के बाद (माघ संक्रांति से पहली रात) यह पर्व मनाया जाता है। यह प्राय- 12 या 13 जनवरी को पड़ता है। यह मुख्यत- पंजाब का पर्व है।

लोहड़ी से संबद्ध परंपराओं एवं रीति-रिवाजों से ज्ञात होता है कि प्रागैतिहासिक गाथाएँ भी इससे जुड़ गई हैं। दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के योगाग्नि-दहन की याद में ही यह अग्नि जलाई जाती है। इस अवसर पर विवाहिता पुत्रियों को माँ के घर से त्योहार (वस्त्र, मिठाई, रेवड़ी, फलादि) भेजा जाता है। यज्ञ के समय अपने जामाता शिव का भाग न निकालने का दक्ष प्रजापति का प्रायश्चित्त ही इसमें दिखाई पड़ता है।

लोहड़ी से 20-25 दिन पहले ही बालक एवं बालिकाएँ लोहड़ी के लोकगीत गाकर लकड़ी और उपले इकट्ठे करते हैं। संचित सामग्री से चौराहे या मुहल्ले के किसी खुले स्थान पर आग जलाई जाती है। मुहल्ले या गाँव भर के लोग अग्नि के चारों ओर आसन जमा लेते हैं। घर और व्यवसाय के कामकाज से निपटकर प्रत्येक परिवार अग्नि की परिक्रमा करता है। रेवड़ी (और कहीं कहीं मक्की के भुने दाने) अग्नि की भेंट किए जाते हैं तथा ये ही चीजें प्रसाद के रूप में सभी उपस्थित लोगों को बाँटी जाती हैं। घर लौटते समय लोहड़ी में से दो चार दहकते कोयले, प्रसाद के रूप में, घर पर लाने की प्रथा भी है। जिन परिवारों में लड़के का विवाह होता है अथवा जिन्हें पुत्रप्राप्ति होती है, उनसे पैसे लेकर मुहल्ले या गाँव भर में बच्चे ही बराबर बराबर रेवड़ी बाँटते हैं। लोहड़ी के दिन या उससे दो चार दिन पूर्व बालक बालिकाएँ बाजारों में दुकानदारों तथा पथिकों से मोहमाया या महामाई (लोहड़ी का ही दूसरा नाम) के पैसे माँगते हैं, इनसे लकड़ी एवं रेवड़ी खरीदकर सामूहिक लोहड़ी में प्रयुक्त करते हैं।

शहरों के शरारती लड़के दूसरे मुहल्लों में जाकर लोहड़ी से जलती हुई लकड़ी उठाकर अपने मुहल्ले की लोहड़ी में डाल देते हैं। यह लोहड़ी व्याहना कहलाता है। कई बार छीना झपटी में सिर फुटौवल भी हो जाती है। मँहगाई के कारण पर्याप्त लकड़ी और उपलों के अभाव में दुकानों के बाहर पड़ी लकड़ी की चीजें उठाकर जला देने की शरारतें भी चल पड़ी हैं।

लोहड़ी का त्यौहार पंजाबियों तथा हरयानी लोगो का प्रमुख त्यौहार माना जाता है। यह लोहड़ी का त्यौहार पंजाब, हरियाणा , दिल्ली, जम्मू काश्मीर और हिमांचल में धूम धाम तथा हर्षो लाश के साथ मनाया जाता हैं। यह त्यौहार मकर संक्राति से एक दिन पहले 13 जनवरी को हर वर्ष मनाया जाता हैं।

लोहड़ी त्यौहार के उत्पत्ति के बारे में काफी मान्यताएं हैं जो की पंजाब के त्यौहार से जुडी हुई मानी जाती हैं। लोहड़ी का त्यौहार पंजाबियों तथा हरयानी लोगो का प्रमुख त्यौहार माना जाता है। यह लोहड़ी का त्यौहार पंजाब, हरियाणा , दिल्ली, जम्मू काश्मीर और हिमांचल में धूम धाम तथा हर्षो लाश के साथ मनाया जाता हैं। यह त्यौहार मकर संक्राति से एक दिन पहले 13 जनवरी को हर वर्ष मनाया जाता हैं।

लोहड़ी त्यौहार के उत्पत्ति के बारे में काफी मान्यताएं हैं जो की पंजाब के त्यौहार से जुडी हुई मानी जाती हैं। कई लोगो का मानना हैं की यह त्यौहार जाड़े की ऋतू के आने का द्योतक के रूप में मनाया जाता हैं।

आधुनिक युग में अब यह लोहड़ी का त्यौहार सिर्फ पंजाब, हरियाणा , दिल्ली, जम्मू काश्मीर और हिमांचल में ही नहीं अपितु बंगाल तथा उड़िया लोगो द्वारा भी मनाया जा रहा हैं!

दुल्ला भट्टी की कहानी

लोहड़ी को दुल्ला भट्टी की एक कहानी से भी जोड़ा जाता हैं। लोहड़ी की सभी गानों को दुल्ला भट्टी से ही जुड़ा तथा यह भी कह सकते हैं की लोहड़ी के गानों का केंद्र बिंदु दुल्ला भट्टी को ही बनाया जाता हैं। दुल्ला भट्टी मुग़ल शासक अकबर के समय में पंजाब में रहता था। उसे पंजाब के नायक की उपाधि से सम्मानित किया गया था! उस समय संदल बार के जगह पर लड़कियों को गुलामी के लिए बल पूर्वक अमीर लोगों को बेच जाता था जिसे दुल्ला भट्टी ने एक योजना के तहत लड़कियों को न की मुक्त ही करवाया बल्कि उनकी शादी की हिन्दू लडको से करवाई और उनके शादी के सभी व्यवस्था भी करवाई। दुल्ला भट्टी एक विद्रोही था और जिसकी वंशवली भट्टी राजपूत थे। उसके पूर्वज पिंडी भट्टियों के शासक थे जो की संदल बार में था अब संदल बार पकिस्तान में स्थित हैं। वह सभी पंजाबियों का नायक था।

लोहड़ी सिख परिवारों के लिए बहुत महत्वपूर्ण त्योहार है। लोहड़ी मकर संक्रांति के एक दिन पहले मनाया जाता है। हर साल 13 जनवरी को पंजाबी परिवारों में विशेष उत्साह होता है। यह उत्साह तब और बढ़ जाता है यदि घर में बहू या फिर बच्चे के जन्म की पहली लोहड़ी हो।

भारत से निकलने की तैयारी में चीनी ग्रुप अलीबाबा!

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

पेटीएम स्टॉक में गुरुवार को एक ब्लॉक डील हुई जहां 259930 शेयर 535.90 रुपये में बेचे गए जिनकी कीमत 13.93 करोड़ रुपये थी। कई स्रोतों ने पुष्टि की है कि चीनी ग्रुप अलीबाबा इस सौदे के पीछे है जो अपनी कुल इक्विटी का लगभग 6 प्रतिशत 3.1 प्रतिशत तक बेच रहा है। सूत्रों ने कहा कि अलीबाबा भारत से बाहर निकलता दिख रहा है क्योंकि उसने बिगबास्केट और जोमैटो जैसे अन्य निवेशों में शेयर बेचे हैं। ब्लॉक डील के तुरंत बाद यह जल्द ही 548 रुपये पर आ गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही के लिए एक मजबूत परिचालन प्रदर्शन अपडेट पोस्ट किया था। पेटीएम सुपर ऐप दिसंबर 2022 को समाप्त तिमाही के लिए औसत एमटीयू के साथ बढ़ते उपभोक्ता जुड़ाव को देखना जारी रखता है जो 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है। दिसंबर 2022 को समाप्त तिमाही के लिए प्लेटफॉर्म के माध्यम से संसाधित कुल मर्चेंट जीएमवी 3.46 लाख करोड़ हो गया जो 38 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि को दर्शाता है। दिसंबर के महीने के लिए ऋणों की संख्या 117 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3.7 मिलियन हो गई और दिसंबर 2022 को समाप्त तीन महीनों के लिए 137 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 10.5 मिलियन संचयी ऋण हो गया। नतीजतन दिसंबर 2022 को समाप्त तीन महीनों के लिए कुल अदायगी 9958 करोड़ रुपए थी जो कि 357 प्रतिशत की वृद्धि थी। पेटीएम अपने मजबूत व्यवसाय मॉडल द्वारा संचालित मजबूत राजस्व वृद्धि के साथ अपनी लाभप्रदता योजनाओं के लिए ट्रैक पर बना हुआ है।

आरईसी मध्य प्रदेश की बिजली कंपनियों को करेगी 21086 करोड़ की मदद

नई दिल्ली।

सरकारी कंपनी आरईसी लिमिटेड मध्य प्रदेश की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (एमपीपीएमसीएल) और रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड को 21086 करोड़ रुपए की मदद देगी। बिजली मंत्रालय ने कहा कि आरईसी ने इस आशय के तीन अलग-अलग समझौता पत्रों (एमओयू) पर इन कंपनियों के साथ हस्ताक्षर किए हैं। बिजली मंत्रालय के तहत कार्यरत आरईसी बिजली क्षेत्र से संबंधित सभी तरह की गतिविधियों के लिए वित्तीय मदद उपलब्ध कराती है। एमपीपीएमसीएल के साथ किए गए समझौते के तहत आरईसी उसे 15086 करोड़ रुपए की वित्तीय मदद देगी। यह राशि सरनी और अमरकंटक की प्रस्तावित ताप विद्युत परियोजनाओं के अलावा मध्य प्रदेश में अन्य बिजली ढांचे के आधुनिकीकरण पर लगाई जाएगी। आरईसी ने रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड के साथ भी इसी तरह का समझौता किया है जिसके तहत राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए 1000 करोड़ रुपए की मदद दी जाएगी। इसके अलावा आरईसी ने मध्य प्रदेश की डिस्कॉम कंपनियों को भी अपना बिजली वितरण नेटवर्क ठीक करने के लिए 5000 करोड़ रुपए की मदद देने पर सहमति जताई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई, (एजेंसी)।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। लगातार तीन दिनों की गिरावट के बाद सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में यह उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 303.15 अंक करीब 0.51 फीसदी बढ़कर 60261.18 पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 98.40 अंक तकरीबन 0.55 फीसदी बढ़कर 17956.60 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान अडानी इंटरप्राइजेज टाटा स्टील इंडसइंड बैंक इशर मोटर्स और आईसीआईसीआई बैंक निफ्टी के शेयरों में सबसे ज्यादा उछाल रहा। वहीं टाइटन अपोलो अस्पताल नेस्टले इंडिया टाटा मोटर्स और आईटीसी निफ्टी के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजारों की तेज शुरुआत हुई। सुबह वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से बाजार में मजबूती आई। शुक्रवार सुबह बाजार बढ़त के साथ खुलने के बावजूद निवेशकों का भरोसा जीतने में कामयाब नहीं रहा और कुछ ही देर बाद बिकवाली और मुनाफावसूली हावी हो गई। शुरुआती कारोबार में ही एचसीएलटेक और एचडीएफसी जैसी कंपनियों में बिकवाली देखने मिली। लगातार बिकवाली से सुबह सेंसेक्स 185 अंक गिरकर 59774 पर कारोबार करने लगा जबकि निफ्टी 42 अंकों के नुकसान के साथ 17818 पर पहुंच गया।

निवेशकों ने दबाव के बावजूद कई शेयरों में जमकर खरीदारी की है। टाटा स्टील हिंडाल्को इंडस्ट्रीज इंडसइंड बैंक यूपीएल और ग्रे सिम इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियों के स्टॉक लगातार खरीदारी और निवेश से टॉप गेनर की सूची में आ गए। दूसरी ओर आयशर मोटर्स एचडीएफसी एक्सिस बैंक और बीपीसीएल जैसी कंपनियों में आज खूब बिकवाली हो रही और ये स्टॉक टॉप लूजर बन गए।

आईटी कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों के बावजूद उनके शेयरों पर आज दबाव दिख रहा है और आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा गिरावट है।

देश में एथनॉल मिश्रण बढ़कर 10.17 प्रतिशत पहुंचाः पुरी

नई दिल्ली। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण जुलाई 2022 में बढ़कर 10.17 प्रतिशत हो गया। यह आंकड़ा 2013-14 में 1.53 प्रतिशत था। उन्होंने यहां हाल ही में आयोजित 11वें सीआईआई जैव-ऊर्जा शिखर सम्मेलन' में कहा कि पानीपत में धान के ठूंठ से और नुमालीगढ़ में बांस से एथनॉल बनाने के लिए दो रिफाइनरियों की स्थापना इस दिशा में एक और मील का पत्थर है। इन उपायों से ऊर्जा सुरक्षा के लक्ष्यों को हासिल करने के साथ ही प्रदूषण को कम करने में भी मदद मिलेगी। एक आधिकारिक बयान में पुरी के हवाले से कहा गया है कि भारत में पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण 2013-14 के 1.53 प्रतिशत से बढ़कर जुलाई 2022 में 10.17 प्रतिशत हो गया। भारत हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया उत्पादन के लिए एक वैश्विक केंद्र बनने को तैयार है और 2030 तक जीवाश्म ईंधन के आयात पर करीब एक लाख करोड़ रुपए तक बचाने में मदद मिलेगी।

ड्रोनआचार्य एरियल के शेयर 20 दिन तूफानी तेजी के बाद हुए धड़ाम

कारोबार के अंत में कंपनी के शेयर 220.25 रुपए पर बंद हुए

नई दिल्ली। ड्रोन बनाने वाली कंपनी ड्रोनआचार्य एरियल इनोवेशंस लिमिटेड के शेयर 20 दिन की तूफानी तेजी के बाद अब अचानक फिसल गए हैं। इस स्टॉक ने अपनी लिस्टिंग के बाद से ही जोरदार कमाई कराई थी। इस कंपनी के निवेशकों में बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता आमिर खान और रणबीर कपूर भी शामिल हैं। गुरुवार को शेयर बाजार में कारोबार के अंत में कंपनी के शेयर 220.25 रुपये के स्तर पर बंद हुए। ड्रोनआचार्य एरियल के शेयरों ने तो केवल बीते 15 दिनों में ही अपने निवेशकों के पैसे को तीन गुना करने का काम किया। लगातार 14 दिन इस स्टॉक में अपर सर्किट लगा था। ये सिलसिला मार्केट में इसकी लिस्टिंग के बाद से ही जारी था। इस छोटी कंपनी पर भरोसा कर पैसे निवेश करने वाले निवेशकों को इसने निराश नहीं किया और दमदार रिटर्न दिया है। ड्रोनआचार्य एरियल इनोवेशंस लिमिटेड में भारत के दिग्गज निवेशक शंकर शर्मा ने भी बड़ा निवेश किया है। गुरुवार को ड्रोनआचार्य के शेयरों में जारी तूफानी तेजी पर आखिरकार ब्रेक लग गया और शेयर बाजार में कारोबार खत्म होने पर ये 4.98 फीसदी या 11.55 रुपये की गिरावट के साथ 220.25 रुपये के स्तर पर आ गए थे। बीते कारोबारी दिन शेयर बाजार में भी गिरावट देखने को मिली थी। ड्रोनआचार्य एरियल का आईपीओ साल 2022 के आखिरी महीने दिसंबर में 13 से 15 तारीख तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 23 दिसंबर को तय प्राइस बैंड 52-54 रुपये से 88 फीसदी प्रीमियम के साथ 102 रुपये पर हुई। लिस्टिंग के बाद से ही ये शेयर रॉकेट की रफ्तार से भागा और 243.50 रुपये के करीब पहुंच गया। इसके चलते आमिर-रणबीर समेत अन्य निवेशकों का खूब पैसा बना लेकिन गुरुवार को सुबह 243.30 रुपये पर खुलने के बाद दोपहर 3.30 पर 220.25 रुपये पर बंद हुआ।

अडानी ने एक ही दिन में पलटी बाजी अमीरों की सूची में बेजोस को पछाड़ा

अडानी की नेटवर्थ में 69.8 करोड़ डॉलर की तेजी आई

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

अडानी ग्रुप के चेयरमैन और एशिया के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी गुरुवार को दुनिया के अमीरों की सूची में चौथे नंबर पर खिसक गए थे। एमेजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस उनसे आगे निकल गए थे। लेकिन एक दिन में ही अडानी ने बाजी पलट दी। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक शुक्रवार को वह एक बार फिर इस सूची में तीसरे नंबर पहुंच गए थे। अडानी की नेटवर्थ में 69.8 करोड़ डॉलर की तेजी आई। इससे वह 119 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ अमीरों की सूची में तीसरे नंबर पर पहुंच गए। दूसरी ओर बेजोस की नेटवर्थ 118 अरब डॉलर रह गई और वह एक बार फिर से चौथे नंबर पर पहुंच गए। पिछले साल अडानी की नेटवर्थ में 44 अरब डॉलर की तेजी देखने को मिली थी। दस प्रमुख रईसों में कमाई करने वाले एकमात्र रईस थे। वह दुनिया के अमीरों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गए थे और यह मुकाम हासिल करने वाले एशिया के पहले शख्स थे। हालांकि इस साल अडानी की नेटवर्थ में 1.75 अरब डॉलर की गिरावट आई है जबकि बेजोस की नेटवर्थ 11.5 अरब डॉलर बढ़ी है। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में गुरुवार को 1.88 अरब डॉलर की गिरावट आई थी। वह 85.7 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ अमीरों की सूची में आठवें नंबर पर हैं। इस बीच फ्रांस के बर्नार्ड आरनॉल्ट

दुनिया के अमीरों की सूची में पहले स्थान पर बने हुए हैं। उनकी नेटवर्थ 184 अरब डॉलर है। इस साल इसमें 21.6 अरब डॉलर की तेजी आई है। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क इस सूची में दूसरे नंबर पर हैं। उनकी नेटवर्थ अब 132 अरब डॉलर रह गई है। नवंबर 2021 में उनकी नेटवर्थ 340 अरब डॉलर पहुंच गई थी लेकिन उसके बाद इसमें 200 अरब डॉलर से अधिक की गिरावट आई है। इस सूची में वॉरेन बफे पांचवें बिल गेट्स छठे लैरी एलिसन सातवें स्टीव बामर नौवें और लैरी पेज दसवें नंबर पर हैं।

अगले वित्त वर्ष के बजट में राजकोषीय घाटा 5.8 फीसदी रखने का अनुमानः इक्रा

मुंबई (एजेंसी)।

केंद्र और राज्य सरकारें अगले वित्त वर्ष में बाजार से कुल 23 लाख करोड़ रुपए अधिक का कर्ज लेने का प्रावधान कर सकती हैं। हालांकि केंद्रीय बजट में राजकोषीय घाटा अनुमान से कम होकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 5.8 प्रतिशत रह सकता है। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। इक्रा रेटिंग्स ने अनुमान जताया कि पुराने कर्ज को अधिक मात्रा में चुकता करने से केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की सकल बाजार उधारी भी बढ़ेगी। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया कि केंद्र और राज्यों का कुल कर्ज 2022-23 के 22.1 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2023-24 में 24.4 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच जाएगा। इसमें केंद्र की उधारी बढ़कर 14.8 लाख करोड़ रुपए और राज्यों की उधारी 9.6 करोड़ रुपए रह सकती है। एजेंसी ने यह भी कहा कि केंद्र 2023-24 के लिए राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 5.8 फीसदी करने का लक्ष्य लेकर चल सकता है जो चालू वित्त वर्ष के अनुमानित 6.4 प्रतिशत के घाटे से कहीं बेहतर है। एजेंसी ने कहा कि वैश्विक वृद्धि पर मंदी के असर की आशंका बढ़ती जा रही है। ऐसे में 2023-24 के बजट में घरेलू वृद्धि की गति को बनाए रखने पर ध्यान देना चाहिए और इसके साथ ही वित्तीय समावेशन के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता दिखानी होगी और बाजार उधारी में बढ़ोतरी को सीमित करने पर ध्यान देना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगामी बजट में केंद्रीय पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर 8.5-9 लाख करोड़ रुपए किया जा सकता है और सब्सिडी घटाने के रास्ते राजकोषीय घाटे को कम करके जीडीपी के 5.8 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य रखा जाएगा।

माइक्रोसॉफ्ट ने अवकाश पालिसी में किया बदलाव

नई दिल्ली।

दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने अपनी अवकाश पॉलिसी में बदलाव किया है। लेकिन पॉलिसी का लाभ कंपनी के सभी कर्मचारियों को नहीं मिलेगा। एक वेबसाइट ने एक इंटरनल मेमो का हवाला देते हुए बताया कि अमेरिका में माइक्रोसॉफ्ट के कर्मचारी जिनके पास छुट्टियों की फिक्स्ड संख्या नहीं होगी वे अनलिमिटेड छुट्टियां ले सकेंगे। 16 जनवरी से लागू होने वाले नए नियमों में असीमित छुट्टी के अलावा कर्मचारियों को 10 कॉर्पोरेट छुट्टियां अनुपस्थिति की छुट्टियां बीमार और मानसिक स्वास्थ्य के लिए छुट्टी मिलेगी। साथ ही ज्यूरी ड्यूटी या शोक के लिए भी समय दिया जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार माइक्रोसॉफ्ट के चीफ पीपल ऑफिसर कैथलीन होगन ने कर्मचारियों को ईमेल कर नई पॉलिसी के बारे में बताया है। हालांकि जो लोग घंटे के आधार पर काम कर रहे हैं या अमेरिका के बाहर रहते हैं या फ्रीलांस के तौर पर काम कर रहे हैं वे इस पॉलिसी का फायदा नहीं उठा सकेंगे। इसके पीछे की वजह पूछे जाने पर माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि सभी देशों के अलग-अलग कानून हैं। इसकी वजह से अमेरिका से बाहर रहने वाले कर्मचारी इस नीति में शामिल नहीं हो सकते हैं।

देशों का कर्ज संकट वैश्विक मंदी की बड़ी वजह बन सकता हैः सीतारमण

वैश्विक स्तर पर बढ़ रही है कर्ज से जुड़ी असुरक्षा की स्थिति

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि दुनिया के कई देशों में बढ़ रहा कर्ज का संकट वैश्विक स्तर पर मंदी की बड़ी वजह बन सकता है। उन्होंने बताया कि अगर इसे नज़रअंदाज करके बिना हल किए छोड़ दिया गया तो यह लाखों लोगों को गरीबी रेखा के नीचे भेज सकता है। गौरतलब है कि वित्त मंत्री ने हाल ही में वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट नाम से आयोजित एक वर्चुअल कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री ने सत्र की अध्यक्षता भी की। दो दिन तक चलने वाले इस सम्मेलन में कई कार्यक्रम और सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। सत्र के दौरान सीतारमण ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कर्ज से जुड़ी असुरक्षा की स्थिति बढ़ रही है और प्रणालीगत वैश्विक कर्ज संकट का खतरा उत्पन्न कर रही है। इस स्थिति को उन देशों में साफ देखा जा सकता है जो अब भारी कर्ज चुकाने और भोजन व फ्यूल जैसी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के बीच में फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि कई देश लगातार बढ़ते वित्तीय अंतर का सामना कर रहे हैं। इसके साथ ही विकास व सामाजिक पहलुओं पर ध्यान देने की जरूरत है। वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ एक वर्चुअल सम्मेलन है जिसे भारत की विदेश नीति में एक नए प्रयोग के तौर पर आयोजित किया जा रहा है।

इस सम्मेलन में करीब 120 देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।'ग्लोबल साउथ' के अंतर्गत एशिया अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के विकासशील देश और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं आती है। इस सम्मेलन की थीम एकता की आवाज एकता का उद्देश्य है। सम्मेलन में सीतारमण ने कहा कि भारत दशकों से ग्रांट लेटर ऑफ क्रेडिट और तकनीकी परामर्श के जरिए अनगिनत क्षेत्रों में विकास के लिए सहयोग बढ़ाने के प्रयासों में आगे रहा है। हमारी विकास योजनाएं ग्लोबल साउथ के बाकी देशों के लिए रोल मॉडल बन रही हैं। हमें ऐसे सिस्टम की संभावना ढूंढने की जरूरत है जिससे मल्टीलेटर डेवलपमेंट बैंकों की ओर से दिया जाने वाला समर्थन टिकाऊ और देश की जरूरतों के अनुसार हो।

मार्च 2023 तक कोयला भंडार दोगुना करने का लक्ष्य

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

भारत को वैश्विक बाजारों से कोयला मंगाना महंगा पड़ रहा है इसलिए कोयला मंत्रालय ने देश में ही कोयले का भंडार दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। कोयला मंत्रालय ने हाल ही में यह बात कही। कोयला मंत्रालय ने कहा कि वह खानों के पास जीवाश्म ईंधन का स्टॉक बढ़ाने की तैयारी में है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय खनिक कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सभी कोयला कंपनियों के पास आने वाले गर्मी के मौसम के लिए उनके लक्षित उत्पादन से अधिक कोयला है। कोयला कंपनियों और बिजली संयंत्रों के पास पर्याप्त कोयले का भंडार है। हालांकि बिजली की मांग बढ़ी है। यह एक चुनौती है इसलिए कोयला आयात का फैसला किया गया है। लेकिन पिछले सीजन में सीआईएल ने अपनी अनुमानित आपूर्ति से अधिक आपूर्ति की है। कोयला मंत्रालय के अनुमान के अनुसार कोयला कंपनियों का कोयला का भंडार 6.5 करोड़ टन हो जाएगा। अभी यह 3.4 करोड़ टन है। बिजली संयंत्रों के पास मंत्रालय के मार्च तक 4.5 करोड़ टन कोयला भंडार की उम्मीद कर रहा है। जो 3 करोड़ टन है। यह सभी मोर्चे पर एक महत्वपूर्ण उछाल होगा। दिसंबर 2021 में कोयला कंपनियों के पास शेष भंडार 3.3 करोड़ टन था। हम उत्पादन बढ़ाकर दोगुना करने का लक्ष्य लेकर चले रहे हैं। कोयला सचिव अमृत लाल मीणा ने कहा कि देश में बिजली क्षेत्र को प्रतिबद्ध मात्रा से अधिक कोयले की आपूर्ति की गई है और अगले सत्र में भी सूखे ईंधन के उत्पादन को बढ़ाने के लिए हर संभव उपाय किये जा रहे हैं। कोयला मंत्रालय की 31 मार्च तक बिजली क्षेत्र को अधिक सूखे ईंधन की आपूर्ति करने की योजना है। उन्होंने कहा कि सभी कोयला कंपनियां आमतौर पर अपने लक्ष्य से अधिक उत्पादन कर रही हैं।

फसल वर्ष 2022-23 में 11.2 करोड़ टन पहुंच सकता है गेहूं उत्पादन

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

देश का गेहूं उत्पादन फसल वर्ष 2022-23 (जुलाई-जून) में 11.2 करोड़ टन से भी अधिक पहुंच सकता है। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार फसल वर्ष 2021-22 में प्रमुख उत्पादक राज्यों में लू के कारण गेहूं का उत्पादन घटकर 10 करोड़ 68.4 लाख टन रह गया था। वर्ष 2020-21 में देश ने रिकॉर्ड 10 करोड़ 95.9 लाख टन गेहूं का उत्पादन किया था। सूत्रों ने कहा कि मौसम की मौजूदा स्थिति और गेहूं खेती रकबा थोड़ा बढ़ने के कारण गेहूं की बेहतर फसल की संभावना है। इस साल कुल उत्पादन 11.2 करोड़ टन से अधिक होने का अनुमान है। मुख्य रबी (सर्दियों) फसल गेहूं की बुवाई अक्टूबर से शुरू हो गई थी जबकि कटाई मार्च अप्रैल से शुरू होगी। ताजा आंकड़ों के अनुसार किसानों ने फसल वर्ष 2022-23 जुलाई-जून में मौजूदा रबी सत्र में छह जनवरी तक 332.16 लाख हेक्टेयर में गेहूं की बुवाई की है जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान 329.88 लाख हेक्टेयर में बुवाई की गई थी। आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में गेहूं की बुवाई 2.52 लाख हेक्टेयर बढ़ गई है। इसके बाद क्रमशः उत्तर प्रदेश 1.69 लाख हेक्टेयर महाराष्ट्र 1.20 लाख हेक्टेयर गुजरात 70000 हेक्टेयर छत्तीसगढ़ 63000 हेक्टेयर बिहार 44000 हेक्टेयर पश्चिम बंगाल 10000 हेक्टेयर जम्मू-कश्मीर 6000 हेक्टेयर और असम 3000 हेक्टेयर का नंबर आता है।

एप्पल के सीईओ टिम कुक के वेतन में 40 फीसदी की कटौती

वाशिंगटन, (एजेंसी)।

दुनिया की प्रमुख कंपनी एप्पल ने अपने चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर टिम कुक के वेतन में 40 फीसदी से अधिक की कटौती कर 4.9 करोड़ डॉलर कर दी है क्योंकि आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल के शेयरों में पिछले साल काफी गिरावट आई थी और इससे उसका मार्केट कैप भी गिरा था। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक कुक को इस साल 4.9 करोड़ डॉलर (करीब चार अरब रुपए) मिलेंगे। कुक ने खुद ही कंपनी से उनको पे को एडजस्ट करने का अनुरोध किया था। गौरतलब है कि पिछले साल 2022 में कुक को 9.94 करोड़ डॉलर मिले थे। इसमें 30 लाख डॉलर बेसिक सैलरी 8.3 करोड़ स्टॉक अवॉर्ड और बोनस शामिल था। उससे पहले 2021 में उन्हें कुल 9.87 करोड़ डॉलर का पैकेज मिला था। नई व्यवस्था के मुताबिक टिम कुक के पास मौजूद स्टॉक यूनिट्स का परसेंटेज 50 फीसदी से बढ़ाकर 75 फीसदी कर दिया गया है। ये स्टॉक एपल की परफॉर्मेंस से जुड़े हैं। कंपनी का कहना है कि कुक का नया पैकेज शेयरहोल्डर फीडबैक एपल के परफॉर्मेंस और कुक की सिफारिशों के आधार पर तय किया गया है। कुक के पिछले साल के पैकेज की कई शेयरहोल्डर्स ने आलोचना की थी। हालांकि अधिकांश शेयरहोल्डर्स ने पिछले साल इसका समर्थन किया था।

वहीं पिछले साल कुक के इक्विटी अवॉर्ड की वैल्यू 7.5 करोड़ डॉलर थी। 2023 में उनका पैकेज कंपनी के स्टॉक के मुताबिक कम-ज्यादा रह सकता है।

कुक ने उनके पैकेज को कम करने की सिफारिश कंपनी से की थी। हालों कि ऐसा कम ही देखने को मिलता है। कुक को पिछले साल 60 लाख डॉलर का बोनस मिला था जबकि इक्विटी अवॉर्ड वैल्यू के रूप में उन्हें चार करोड़ डॉलर मिले थे।

विश्व कप सुपर लीग में शीर्ष पर पहुंचा भारत

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम विश्व कप सुपर लीग की अंक तालिक में पहले नंबर पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने श्रीलंका को तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज के दूसरे मैच में हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं न्यूजीलैंड की टीम दूसरे नंबर पर फिसल गयी है। कीवी टीम हाल ही में पाकिस्तान को हराकर शीर्ष स्थान पर पहुंच गयी थी पर भारतीय टीम ने श्रीलंका पर जीत के साथ ही एक बार फिर नंबर एक स्थान हासिल कर लिया है। श्रीलंका को हराने के बाद टीम इंडिया के विश्व कप 2023 सुपर लीग अंक तालिका में 149 अंक हो गए हैं। वहीं न्यूजीलैंड 140 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। विश्वकप 2023 के लिए भारत न्यूजीलैंड और पाकिस्तान समेत कुल 7 टीमों ने क्वालीफाई कर लिया है। वहीं अंतिम टीम के लिए श्रीलंका दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बीच मुकाबला होगा। अंक तालिका में इंग्लैंड 125 अंकों के साथ चौथे ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश 120 अंकों के साथ क्रमशः पांचवे व छटे स्थान पर हैं। वहीं अफगानिस्तान 115 अंकों के साथ 7वें पायदान पर हैं जबकि वेस्टइंडीज 88 श्रीलंका 77 और दक्षिण अफ्रीका 59 क्रमशः 8वें 9वें और 11वें पायदान पर हैं। आईसीसी क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग का यह पहला संस्करण है। इस लीग के जरिए भारत के अलावा 7 अन्य टीम विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगी। बाकी बची दो टीमों का चयन विश्व कप क्वालीफायर के जरिए होगा। सुपर लीग में कुल 13 टीमें हिस्सा ले रही हैं।

महिला क्रिकेट का परिदृश्य बदल देगा अंडर 19 महिला टी20 विश्व कप: सचिन तेंदुलकर

(एजेंसी)

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका में होने वाले अंडर 19 महिला टी20 विश्व कप में काफी दम है और इसमें दुनिया भर में महिला क्रिकेट का परिदृश्य बदल देने की क्षमता है। पहला अंडर 19 महिला टी20 विश्व कप 14 जनवरी से शुरू होगा और 16 टीमें प्रतिष्ठित ट्रॉफी पर कब्जा करने के लिए जूझेंगी। सभी 41 मैच बेनोनी और पोचेफस्ट्रूम में खेले जाएंगे और फाइनल 29 जनवरी को होगा। सचिन ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के लिए अपने कालम में लिखा, सभी निगाहें अंडर 19 महिला टी20 विश्व कप और महिला टी20 विश्व कप की तरफ शिफ्ट हो जाएंगी। महिला टी20 तो कई वर्षों से खेला जा रहा है लेकिन अंडर 19 विश्व कप पहली बार हो रहा है और इसमें काफी क्षमता है। उन्होंने कहा, यह महिला विश्व कप के परिदृश्य को बदल देगा क्योंकि इससे युवा महिला क्रिकेटरों को सीखने और अनुभव के लिए बड़ा मंच मिलेगा। हालंकि महिला क्रिकेट ने लम्बी छलांग लगाई है लेकिन अब भी कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जिन पर काम किया जाना बाकी है। सचिन ने ज्यादा प्रतिभाशाली महिला क्रिकेटरों को ढूंढने की जरूरत पर बल दिया जो इस अंडर 19 महिला टी20 विश्व कप से हो सकता है। उन्होंने कहा, जितना हम अपना आधार फैलाएंगे, उतना हम प्रतिभाएं ढूंढ पाएंगे जिसका सीधा असर खेल की गुणवत्ता पर पड़ेगा। मुझे लगता है कि पहला टूर्नामेंट यह सुनिश्चित करेगा। विभिन्न देशों में जूनियर क्रिकेट पर जोर दिया जाएगा। हमने यह देखा है कि क्रिकेट बोर्ड लड़कियों के लिए ज्यादा आयु वर्ग टूर्नामेंट घोषित कर चुके हैं या करने की योजना बना रहे हैं। सचिन ने विराट कोहली, बेन स्टोक्स, केन विलियम्सन, कैगिसो रबादा, शाहीन शाह आफरीदी का उदाहरण देते हुए कहा कि इन खिलाड़ियों ने पहले अंडर 19 विश्व कप में अपना प्रभाव छोड़ा और फिर आगे चलकर स्टार बने। ऐसा ही अंडर 19 विश्व कप से महिला क्रिकेट के साथ हो सकता है। अपनी पसंदीदा टीम के बारे में सचिन ने शेफाली वर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारतीय पुरुष अंडर 19 टीम पारम्परिक रूप से मजबूत है और पांच बार खिताब जीत चुकी है। इस टूर्नामेंट की समाप्ति के बाद महिला टी20 विश्व कप 10 से 26 फरवरी तक दक्षिण अफ्रीका में होगा। सचिन ने कहा कि लगातार टूर्नामेंटों का दक्षिण अफ्रीका में गहरा प्रभाव होगा और उन्होंने साथ ही भारतीय टीम को सीनियर महिला टी20 विश्व कप का गतिरोध तोड़ने के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। अपनी पसंदीदा टीम के बारे में सचिन ने शेफाली वर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं।

न्यूजीलैंड ने भारत दौरे के लिए घोषित की टीम सेंटनर होंगे कप्तान

लिस्टर और शिपले शामिल विलियमसन और साउदी को मिला आराम

(एजेंसी), ऑकलैंड ।

मिशेल सेंटनर की कप्तानी में न्यूजीलैंड टीम भारत दौरे पर आयेगी। इस सीरीज के दौरान न्यूजीलैंड ने केन विलियमसन और टिम साउदी जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को अपनी टीम शामिल नहीं किया है। भारत और न्यूजीलैंड टीम के बीच 27 जनवरी से टी20 सीरीज शुरु होगी। इस दौर के लिए न्यूजीलैंड टीम ने दो नए खिलाड़ियों बेन लिस्टर और हैनरी शिपले को शामिल किया है। लिस्टर पिछले साल न्यूजीलैंड ए टीम के साथ भारत दौरे पर आए थे। अच्छे प्रदर्शन के आधार पर ही उन्हें टीम में स्थान मिला है। वहीं शिपले ने हाल ही में पाकिस्तान दौरे पर अपना पहला एकदिवसीय मैच खेला था। कीवी टीम अब उन्हे भारत में टी20 पदार्पण का अवसर दे सकती है। इससे पहले एकदिवसीय सीरीज के लिए भी कीवी टीम ने साउदी और विलियमसन को जगह नहीं दी थी। न्यूजीलैंड की टीम इस समय पाकिस्तान दौरे पर है। साउदी और विलियमसन पाकिस्तान से सीधे स्वदेश जायेंगे।

भारत दौरे के लिए न्यूजीलैंड की टी20 टीम

मिशेल सेंटनर (कप्तान) फिन एलन माइकल ब्रेसवेल मार्क चैपमैन डेन क्लीवर डेवोन कॉनवे जैकब डफी लॉकी फर्ग्यूसन बेन लिस्टर डेरिल मिशेल ग्लेन फिलिप्स माइकल रिपन हेनरी शिपली ईश सोढ़ी ब्लेयर टिकनर।

एएसबी क्लासिकः ऑकलैंड फाइनल में पहुंचने के लिए नॉरी ने ब्रूक्सबी को हराया

आकलैंड,

ब्रिटिश टेनिस खिलाड़ी कैमरन नॉरी ने शुक्रवार को यहां अपने दूसरे एएसबी क्लासिक फाइनल में पहुंचने के लिए सेमीफाइनल में अमेरिकी जेनसन ब्रुक्सबी के खिलाफ 6-3, 6-4 से जीत दर्ज की। दक्षिण अफ्रीका में पैदा हुए नॉरी शनिवार के फाइनल में रिचर्ड गास्के के खिलाफ खेलेंगे, जब उनके हमवतन कांस्टेंट लेस्टियन चोट के कारण बाहर हो गए थे। 2023 सीजन में नॉरी ने 6-0 से सुधार किया, ब्रूक्सबी के खिलाफ एक आसान जीत के साथ, जो आकलैंड में अपनी शुरूआत कर रहे थे। दक्षिण अफ्रीका में पैदा हुए नॉरी शनिवार के फाइनल में रिचर्ड गास्के के खिलाफ खेलेंगे, जब उनके हमवतन कांस्टेंट लेस्टियन चोट के कारण बाहर हो गए थे।

एडिलेड इंटरनेशनल 2: कसात्किना, बेनसिच वॉकओवर के जरिए फाइनल में पहुंचीं

एडिलेड, (एजेंसी)

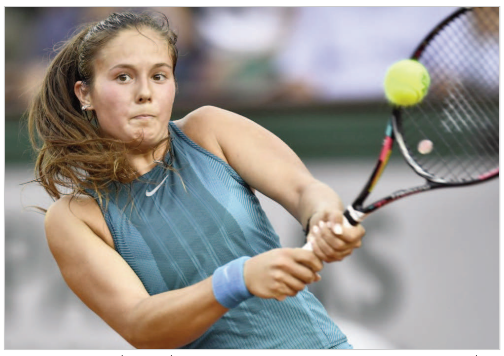

डारिया कसात्किना और बेलिंडा बेनसिच शनिवार को एडिलेड इंटरनेशनल 2 खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। दोनों खिलाड़ी सेमीफाइनल में वॉकओवर के जरिए फाइनल में पहुंचीं। नंबर 9 सीड पाउला बादोसा चोट के कारण कसात्किना के खिलाफ अपने मैच से हट गईं और नंबर 6 सीड वेरोनिका कुदेमेटोर्वा ने शुक्रवार को चोट के कारण बेनसिच के साथ अपनी भिड़ंत से पहले नाम वापस ले लिया। आयोजकों ने एक ट्वीट में कहा, वेरोनिका चोट के कारण आज रात के सेमीफाइनल से हट गई हैं। कसात्किना और बेनसिच के बीच प्रतिद्वंद्विता हमेशा बेहतर रही है। पेशेवर स्तर पर, कसात्किना हेड-टू-हेड 3-2 से आगे है, जिसमें रोलौं गैरो 2021 के दूसरे दौर में उनकी सबसे हालिया मैच 6-2, 6-2 से जीत शामिल है। हालांकि, बेनसिच अपने पिछले एकमात्र आउटडोर हार्डकोर्ट मुकाबले में विजेता रही थी। एडिलेड में भी, जब उसने 2020 के पहले दौर में 6-4, 6-4 से जीत दर्ज की और फाइनल में पहुंच गई थीं। स्पेनिश नंबर 1 बादौसा ने ब्राजील के बीट्रीज हद्दाद मायिया के खिलाफ एक रोमांचक क्वार्टर फाइनल मैच खेला, जो 74 मिनट के पहले सेट के साथ ढाई घंटे से अधिक समय तक चला और इसके बाद 81 मिनट का दूसरा सेट और भी लंबा चला। हालांकि, स्पैनियार्ड अभी भी साल के पहले ग्रैंड स्लैम, 2023 आस्ट्रेलियन ओपन में खेलने के लिए उत्सुक है, जो सोमवार से मेलबर्न में शुरू हो रहा है। स्पेनिश नंबर 1 बादौसा ने ब्राजील के बीट्रीज हद्दाद मायिया के खिलाफ एक रोमांचक क्वार्टर फाइनल मैच खेला, जो 74 मिनट के पहले सेट के साथ ढाई घंटे से अधिक समय तक चला और इसके बाद 81 मिनट का दूसरा सेट और भी लंबा चला।

संक्षिप्त समाचार

विकेटकीपर बल्लेबाज की दोहरी भूमिका से परेशानी नहीं : राहुल

कोलकाता, (एजेंसी) ।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में अच्छी बल्लेबाजी करने वाले लोकेश राहुल ने कहा है कि पांचवे नंबर पर उतरने के कारण उन्हें खेल को बेहतर समझने में सहायता मिली है। राहुल शुरुआत में सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरते थे पर विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के बाहर होने के कारण उन्हें विकेटकीपर बल्लेबाज की जिम्मेदारी भी मिली है। राहुल के अनुसार विकेटकीपर बल्लेबाज की दोहरी भूमिका से उन्हें कोई परेशानी नहीं है। इस क्रिकेटर के अनुसार मेरा लक्ष्य अंतिम ग्यारह में बने रहना है। राहुल ने कहा कि जिस भी जगह पर टीम को जरुरत होगी। उसपर वह खेलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यहां श्रीलंका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में मिली जीत के बाद कहा कि अब तक मैंने सलामी बल्लेबाज की जिम्मेदारी संभाली थी पर अब टीम ने मुझे पांचवें नंबर की भूमिका दी है जिसमें भी मुझे परेशानी नहीं है। उन्होंने कहा 'टीम ने मुझे इस स्थान पर और इस भूमिका में जमने के लिए समय दिया है। साथ ही कहा कि जब आपको अपने कप्तान और कोच का साथ मिले तो इससे आपको ध्यान केन्द्रित करने में सहायता मिलती है और टीम भी यही चाहती है। राहुल ने कहा 'हां मैं अन्य प्रारूपों में जो करता हूं यह उससे अलग है इसलिए मैं हमेशा सतर्क रहता हूं इससे मुझे चुनौती मिलती है यह अलग भूमिका है जिससे मुझे अपना खेल बेहतर तरीके से समझने में सहायता मिलती है। राहुल को इस अतिरिक्त जिम्मेदारी को संभालने के लिए अपनी फिटनेस पर भी ध्यान देना पड़ रहा है।

ऋषभ अभी अस्पताल में ही रहेंगे शुरुआत में वाकर के जरिये चलाया जाएगा

मुम्बई । क्रिकेट ऋषभ पंत की सेहत में लगातार सुधार हो रहा है। हाल में उनके घुटने के लिगामैंट की सर्जरी सफल रही थी पर इसके बाद भी अभी उनको अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए लंबा इंतजार करना होगा। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल की एक रिपोर्ट के अनुसार शुरुआत में उन्हें वाकर के जरिए चलाया जाएगा। सेंटर फॉर स्पोर्ट्स मेडिसिन के प्रमुख डॉ. दिनशॉ पादरीवाला ऋषभ के इलाज में हो रही प्रगति पर नजर रखे हुए हैं। अस्पताल की एक रिपोर्ट के अनुसार ऋषभ को पहले वाकर के जरिए चलाया जाएगा। इसलिए अभी उन्हें अस्पताल में ही रहना होगा और कठिन रिहैब से गुजरना होगा। डॉक्टरों के अनुसार लिगामेंट को ठीक होने में एक से ड़ेढ माह का समय लगता है। इसके बाद ट्रेनिंग और पैर को पूरी तरह ठीक होने में 6 महीने का समय लग सकता है। इस कारण वह तकरीबन छह माह के लिए तो मैदान से दूर हो ही गये हैं। इस कारण ऋषभ आईपीएल से भी बाहर हो गये हैं। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ऋषभ की चोट पर नजर रखे हुए है। बोर्ड ने पहले ही कहा दिया था कि वह उनके इलाज का पूरा खर्च उठाएगा। उनकी आईपीएल की राशि के साथ ही केन्द्रीय अनुबंध की रकम भी मिलेगी। वह फिट हुए तो जून में होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में उतर सकते हैं।

अर्जेंटीना ने एफआईएच पुरुष हॉकी विश्वकप के पहले ही मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराया

भुवनेश्वर ।

अर्जेंटीना ने आज से यहां कलिंगा स्टेडियम में शुरु हुए एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 की शुरुआत जीत के साथ की है। अर्जेंटीना ने पहले ही मैच में दक्षिण अफ्रीका को 1-0 से हरा दिया। माइको कासेला ने पूल-ए के इस मैच में अपनी टीम की ओर से मैच का एकमात्र गोल 43 वें मिनट में दागा। इस जीत के साथ ही अर्जेंटीना की टीम को तीन अंक मिले हैं और वह अपने पूल में शीर्ष पर पहुंच गयी है। पिछले विश्व कप में सातवें स्थान पर रही अर्जेंटीना ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम पर हमले शुरु कर दिये। दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों ने हालांकि अच्छा बचाव करते हुए पलटवार करने शुरु कर दिये। दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी सेंज़्विज़्ले न्यूबाने अकेले ही गेंद लेकर अर्जेंटीना की डी में पहुंच गये पर उसकी रक्षापंक्ति ने गोल करने के प्रयासों को विफल कर दिया। अर्जेंटीना को मैच के दूसरे क्वार्टर में दो पेनल्टी कार्नर मिले पर पर उनका लाभ नहीं उठा पायी। तीसरे क्वार्टर में हालांकि अर्जेंटीना की टीम बढ़त बनाने में सफल रही। लूकस टोस्कानी के पास पर कासेला ने एक शानदार मैदानी गोल दाग कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी जो अंत तक बनी रही हालांकि दक्षिण अफ्रीकी टीम ने चौथे क्वार्टर में गोल करने के कई प्रयास किये पर वह सफल नहीं हो पायी। इस जीत के साथ ही अर्जेंटीना को तीन अंक मिले हैं और वह पूल-ए में शीर्ष पर पहुंच गयी है। कासेला को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला।

गंभीर ने विराट के आलोचकों को दिया करारा जवाब

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की आलोचना करने वालों को करारा जवाब देते हुए कहा कि विराट ने अपने बल पर भारतीय टीम को कई मैच जिताये हैं। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में विराट केवल 4 रनों पर ही आउट हो गये थे जिससे कई लोगों ने उनकी बल्लेबाजी पर सवाल उठाये हैं। गंभीर ने इसके बाद विराट पर निशाना साधने वालों को करार जवाब दिया। उन्होंने विराट का समर्थन करते हुए आलोचकों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि विराट ने टीम इंडिया को कई मुकाबले अपनी बल्लेबाजी से जिताएं हैं। साथ ही कहा कि टी20 विश्व कप में भी पाक के खिलाफ कोहली ने अपने बल पर ही टीम को जीत दिलाई थी। गंभीर ने कहा 'विराट वहां हैं क्योंकि वह विराट कोहली हैं। उन्होंने जब भी जरूरत पड़ी भारत के लिए कठिन हालातों में रन बनाए हैं।' सीरीज का आखिरी मुकाबला तिरुवनंतपुरम में रविवार को खेला जाएगा। अब देखना होगा उस मैच में कोहली बड़ी पारी खेलने में कामयाब हो पाते हैं या नहीं।

ऑस्ट्रेलिया के सीरीज रद्द करने से नाराज राशिद बीबीएल का बहिष्कार करेंगे

सिडनी । अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) के अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज खेलने से इंकार करने के विरोध में बिग बैश लीग (बीबीएल) के बहिष्कार की धमकी दी है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान में महिलाओं पर लगी पाबंदियों का विरोध करते हुए अफगानिस्तान के खिलाफ यूएई में होने वाली सीरीज रद्द कर दी थी। राशिद ने सीए के इस फैसले को निराशाजनक बताते हुए उसकी आलोचना की है। इससे पहले सीए ने अपने एक बयान में कहा ''ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के साथ मार्च 2023 में पुरूषों की एकदिवसीय श्रृंखला नहीं खेल सकेगा।'' इसमें आगे कहा गया '' तालिबान द्वारा महिलाओं और लड़कियों की शिक्षा और रोजगार पार्क और जिम में उनके जाने पर पाबंदियों को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। सीए दुनिया भर में महिलाओं और पुरूषों के बीच खेल के विकास का समर्थक रहा है।'' गौरतलब है कि अफगानिस्तान आईसीसी का एकमात्र पूर्णकालिक सदस्य देश है जिसकी कोई महिला टीम नहीं है और ऐसे में वह शनिवार से शुरू हो रहे महिला अंडर 19 टी20 विश्व कप में भी नहीं खेलेगा। वहीं क्रिकेट अफगानिस्तान (एसीबी) ने कहा कि सीए का फैसला राजनीति से प्रेरित है और यह खेल के विकास में बाधक होगा। एसीबी ने कहा ''अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड मार्च में क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अफगानिस्तान की तीन मैचों की घरेलू श्रृंखला से हटने के निराशाजनक बयान से काफी दुखी और आहत है और हम इस मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भी हस्तक्षेप के लिए कहेंगे। ''उसने कहा ''एसीबी हालातों पर करीब से नजर रखे है और अगर सीए ने घरेलू श्रृंखला से हटने के फैसले को नहीं बदला गया तो बोर्ड इसकी शिकायता आईसीसी से करेगा। इसके साथ ही बीबीएल से भी अफगानिस्तान के खिलाड़ी हट जाएंगे। '' राशिद ने भी बीबीएल से हटने की धमकी दी। उन्होंने कहा ''मुझे यह सुनकर काफी निराशा हो रही है कि ऑस्ट्रेलिया ने मार्च में हमसे श्रृंखला खेलने से हटने का फैसला किया है। '' उन्होंने कहा ''अगर अफगानिस्तान के खिलाफ खेलना आस्ट्रेलिया को असहज बनाता है तो मैं बीबीएल में अपनी मौजूदगी से किसी को भी असहज नहीं बनाना चाहूंगा। इसलिये मैं टूर्नामेंट में खेलने को लेकर फिर से विचार करूंगा। ''

मलेशिया ओपनः क्वार्टर फाइनल में कोडाई नारोका से हारकर प्रणय बाहर

कुआलालम्पुर,(एजेंसी)

भारत के नंबर 1 शटलर एचएस प्रणय शुक्रवार को मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जापान के कोडाई नारोका के हाथों क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गए। कोर्ट 2 पर खेलते हुए दुनिया के आठवें नंबर के प्रणय नरोका से यहां एक्सियाटा एरिना में 16-21, 21-19, 10-21 से हार गए। गैर वरीयता प्राप्त जापानी खिलाड़ी फाइनल में जगह बनाने के लिए आठवीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसर्न से भिड़ेंगे। नारोका ने शानदार शुरूआत की और पांच बैक-टू-बैक अंकों के साथ शुरूआती लाभ का फायदा उठाया। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने मैच में वापसी की और इसे 7-7 से बराबर कर लिया। जापानी शटलर ने पूरे गेम में अपनी बढ़त बनाए रखी और अंत में पहला गेम आसानी से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली लेकिन अंततः भारतीय खिलाड़ी ही इस गेम के विजेता के रूप में उभरे और मैच को निर्णायक गेम तक ले गए। नारोका ने अंतिम गेम में पूरी तरह से दबदबा बनाया और मुश्किल से प्रणय को वापसी करने का मौका दिया और अंत में 84 मिनट में मैच अपने नाम कर लिया। नारोका ने शानदार शुरूआत की और पांच बैक-टू-बैक अंकों के साथ शुरूआती लाभ का फायदा उठाया। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने मैच में वापसी की और इसे 7-7 से बराबर कर लिया। जापानी शटलर ने पूरे गेम में अपनी बढ़त बनाए

रखी और अंत में पहला गेम आसानी से अपने नाम कर लिया।

सउदी अरब में डकार रैली में भाग लेते हुए बहरीन के सेबेस्टीयन लोब व फेबियन लरक्वीन।

ऐसी संवेदना के साथ त्योहार मनाएँ कि एक भी पक्षी के प्राण न जाएँ: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने उत्तरायण के त्योहारों के दौरान पतंग-डोर से घायल होने वाले पक्षियों के प्राण बचाने के लिए जीवदया भाव के साथ राज्यव्यापी करुणा अभियान के अंतर्गत शुरू किए गए जा रहे 10 दिवसीय सघन अभियान में सहयोगी संगठनों तथा राज्य सरकार के वन पशुपालन सहित विभागों के कर्मयोगियों के साथ शुक्रवार को संवेदनापूर्ण संवाद कर उन्हें मार्गदर्शन प्रदान किया। पटेल ने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रत्येक जीव की दरकार सरकार का दायित्व है। सरकार के इस दायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण करुणा अभियान है। उन्होंने कहा कि हम सभी जीवन में त्योहार एवं उत्सव मनाएँ परंतु इस बात की सतर्कता रखें कि ये त्योहार तथा उत्सव किसी भी जीव के लिए घातक न बनें। उन्होंने कहा कि हमारी तो संस्कृति ही छोडमां रणछोड (पौधे में परमात्मा) देखने के भाव वाली है। ऐसे में हम सबको सभी जीवों की रक्षा कि चिंता करनी चाहिए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने समाजसेवी संस्थाओं तथा स्वैच्छिक संगठनों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस करुणा अभियान में राज्य के समाजसेवी संस्थाओ तथा एनजीओ बहुत बढ़-चढ़कर तथा आगे आकर जीवदया का कार्य कर रहे हैं जो अभिनंदनीय है। गुजरात में मकर संक्रांति के दौरान घायल पक्षियों के प्राण बचाने तथा जीवदया को प्रधानता देने के लिए व्यापक स्वरूप से करुणा अभियान का आयोजन किया गया है। समग्र राज्य की जीवदया संस्थाओं ने अभियान को सफल बनाया है। वन विभाग पशुपालन विभाग महानगर पालिका प्रशासन भी इस अभियान में सक्रियता से पशु-पक्षियों के प्राण बचाने तथा घायल पशु-पक्षियों के उपचार का जीवदया कार्य करते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद ज़िले में दसक्रोई तहसील के बिलासिया में तैयार किए गए वन्यप्राणी पुनर्वास केन्द्र का ई-लोकार्पण भी किया। इस नवनिर्मित वन्यप्राणी पुनर्वास केन्द्र में प्राकृतिक एवं आकस्मिक रूपसे घायल हुए जीवों के उपचार और जंगल से मानव आबादी में आ गए पशु-पक्षियों के पुनर्वास के लिए सभी प्रकार की सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। 23 हज़ार वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले इस केन्द्र को अनुमानित 2.72 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया। यह केन्द्र ओपीडी रूम ऑपरेशन सेंटर वेटरनरी ऑफ़िस फ़ॉरेस्ट स्टाफ़ रूम रिकवरी रूम तथा कॉन्फ़्रेंस रूम जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से सज्ज है।

श्री स्वामीनारायण एचवी विद्यालय और श्री स्वामीनारायण अकादमी में एक दिवस खेल का आयोजन

सूरत।

अड़ाजन स्थित श्री स्वामीनारायण एचवी विद्यालय और श्री स्वामीनारायण अकादमी यानी ज्ञान, शिक्षा और संस्कार के त्रिवेणी संगम ने आज कक्षा 1 से 12 तक के स्कूली बच्चों के लिए योग, खेल और शारीरिक परिश्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए "टर्बोक्रेस्ट" 2022-23 के तहत एक खेल दिवस का आयोजन किया। जिसमें बच्चों के आयु वर्ग को ध्यान में रखते हुए विभिन्न खेलों को शामिल किया गया है। वहीं मकर संक्रांति पर्व पर बच्चों के लिए गन्ना महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसके तहत बच्चों ने गन्ना, तिल के लड्डू, चिक्की का आनंद लिया और बच्चों ने जीवन के संदेश के साथ पतंग उड़ाने की शपथ ली और बचत को उत्तरायण पर्व में दान के रूप में गरीबों और जरूरतमंदों की सहायता के लिए उपयोग किया। प्रशासक श्री दिनेशभाई गोंडालिया ने विद्यार्थियों और पूरे स्कूल परिवार को बधाई और आशीर्वाद दिया है।

ड्राफ्ट टीपी मंजूर होने के एक वर्ष के भीतर ही फाइनल टीपी होना आवश्यक: मुख्यमंत्री

गांधीनगर । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के 8 महानगरों में लंबित पड़ी टाउन प्लानिंग (टीपी) स्कीम को शीघ्र पूर्ण कर जीरो पेंडेंसी के लक्ष्य को हासिल करने के स्पष्ट दिशानिर्देश दिए हैं। गुरुवार को गांधीनगर में राज्य की 8 महानगर पालिकाओं के आयुक्तों के साथ हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में उन्होंने यह दिशानिर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आवश्यक है कि ड्राफ्ट टीपी के मंजूर होने की 1 वर्ष की अवधि के भीतर फाइनल टीपी हो जानी चाहिए। भूपेंद्र पटेल ने अधिकारियों से ड्राफ्ट टीपी से लेकर फाइनल टीपी तक आने वाली समस्याओं या मुश्किलों को तेजी से हल करने की मानसिकता बनाने और इसके लिए एक मैकेनिजम विकसित करने को कहा। इस समीक्षा बैठक में शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव मुकेश कुमार ने सभी 8 महानगरों की टीपी स्कीमों तथा शहरी विकास की अन्य योजनाओं का विस्तृत ब्यौरा मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। तदनुसार राज्य के इन महानगरों में कुल 875 टीपी स्कीमें बनाई गई हैं और इसमें से 400 से अधिक तो आम जनता की जानकारी के लिए पब्लिक डोमेन में रखी गई हैं। शहरी विकास विभाग इस वर्ष के अंत तक बाकी बची 475 टीपी स्कीमों को भी पब्लिक डोमेन में रखने की दिशा में कार्यरत है। शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव मुकेश कुमार ने इस बैठक में प्रेजेंटेशन प्रस्तुत करते हुए आगे कहा कि राज्य सरकार ने ऑनलाइन डेवलपमेंट परमिशन सिस्टम शुरू किया है। इसके अंतर्गत अब तक 1.50 आवेदन मंजूर किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद महानगर में 1 जनवरी 2023 से ऑनलाइन बीयू परमिशन का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। इसकी सफलता के मूल्यांकन के बाद आने वाले समय में अन्य महानगरों में इसे लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आठों महनगरों की टाउन प्लानिंग स्कीम में बुनियादी ढांचा सुविधाओं सहित आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) आवास योजना और सार्वजनिक सुविधा के कार्यों को भी तय समय सीमा में पूरा करने की ताकीद की।

पांच दिवसीय श्री श्याम मंदिर पाटोत्सव कार्यक्रम को आयोजन 26 जनवरी से

सूरत भूमि, सूरत।

वीआईपी रोड स्थित श्रीश्याम मंदिर, सुरतधाम का छठवां पाटोत्सव 26 जनवरी को मनाया जायेगा । श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष रामप्रकाश रूंगटा एवं सचिव विनोद कानोडिया ने बताया की इस अवसर पर पांच दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन 22 जनवरी, रविवार से किया जायेगा । पाटोत्सव के दौरान आयोजित कार्यक्रम में श्री श्याम अखण्ड ज्योत पाठ, भजन संध्या, रक्तदान शिविर सहित अनेकों सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा ।

ट्रस्ट के उपाध्यक्ष कैलाश हाकिम एवं संदीप बेरीवाला ने बताया की पाटोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में रविवार 22 जनवरी को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन सुबह नौ बजे से लखदातार हॉल में किया जायेगा । सोमवार, 23 जनवरी को श्याम बाबा के जीवन चरित्र पर आधारित श्री श्याम अखण्ड ज्योत पाठ का वाचन दोपहर दो बजे से किया जायेगा । मंगलवार, 24 जनवरी को संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन शाम छः बजे से किया जायेगा । बुधवार, 25 जनवरी को शाम छः बजे से भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा, जिसमे स्थानीय गायक कलाकार भजनों की प्रस्तुति देंगे ।

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष संतोष माखरिया ने बताया की 26 जनवरी, गुरुवार को पाटोत्सव मनाया जायेगा । इस मौके पर सुबह सात बजे से पूजा विधान किया जायेगा । दोपहर में महाआरती के बाद भोग लगाया जायेगा । शाम को छः बजे से विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा, जिसमे स्थानीय गायक कलाकार के अलावा कोलकाता से आमंत्रित गायक कलाकार संजू शर्मा भजनों की प्रस्तुति देंगे । इस मौके पर श्याम मंदिर को सजाया जायेगा एवं छप्पन भोग, बाबा का खजाना आदि का आयोजन भी किया जायेगा ।

शरणागत की रक्षा करना ही भगवान का व्रत है : गोविंददेव गिरी जी महाराज

सूरत भूमि, सूरत। शहर के वेसू स्थित रामलीला मैदान में एकल श्रीहरि वनवासी विकास ट्रस्ट द्वारा मल मास के उपलक्ष्य में श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन 8 से 14 जनवरी तक किया गया है। कथा के षष्टम दिवस एकल श्रीहरि के संरक्षक संजय सरवगी (लक्ष्मीपति ग्रुप), मुख्य यजमान सीए महेश मित्तल एवं श्रीमती मंजू मित्तल, रमेश अग्रवाल, पुरुषोत्तम हिम्मतसिंगका, मनीष अग्रवालआदि ने व्यास पूजन कर आरती की एवं महाराजी से आशीर्वाद लिया।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ न्यास के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरी जी महाराज ने कहा कि शरणागत की रक्षा करना ही भगवान का व्रत है। महाराजजी ने गिरिराज (गोवर्धन) पूजा का प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने 7 वर्ष के आयु में ही गिरिराज की पूजा शुरू कराकर सामाजिक समरसता शुरू किया। गिरिराज पूजा शुरू कर भगवान ने समाज को संपूर्ण विचार दिया है। गौ माता, ब्राह्मणों एवं प्रकृति की रक्षा माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण ने गिरिराज पूजा की शुरुआत की। गिरिराज पूजा से देवराज इंद्र कुपित हो गए और हाथी की सूढ़ की तरह धार से बारसात करने लगे। जिससे सभी गोकुल वासी परेसान होने लगे। वर्षा सभी जगह जलमग्न हो गया, चट्टाने जगह-जगह गिरने लगे। लेकिन सभी गोकुलवासियों का अपने नंदलाल पर पूरा भरोसा था।

श्री कृष्ण ने मुस्कुराते हुए इंद्रदेव से कहा तुम गोकुल का नाश करना चाहते हो, जिसको मैं अपनाता हूं उसका नाश कोई नहीं कर सकता। महाराज जी ने शरणागत की रक्षा करना ही भगवान का व्रत है। व्रत उसे कहते हैं जिसे कभी कोई तोड़ता नहीं। इसलिए सभी मानव को भगवान के शरण में रहना चाहिए, भगवान का स्मरण करते रहना चाहिए। श्री कृष्ण ही गिरिराज है और गिरिराज ही कृष्ण। भगवान श्री कृष्ण ने गिरिराज पर्वत को कनिष्ठा अंगुली पर उठा कर उचके नीचे सभी को उसी के अंदर रखकर इन्द्र के प्रकोप से बचाया। महाराजजी ने कहा कि देवताओं के राजा इंद्र पूरी शक्ति का प्रयोग किया, लेकिन कुछ नहीं बिगाड़ पाए। इंद्र ने बहुत गाली दिया, अपशब्द कहे, लेकिन भगवान ने एक शब्द कुछ नहीं कहा, भगवान श्रीकृष्ण की भाषा उदार है। मनुष्य के सभ्यता की पहचान उसकी भाषा से होती है। जीवन में अपनी बाणी को गिरने मत देना। कोई मित्र और शत्रु वाणी से होता है।

2023 जी.एच. भक्त उच्च विद्यालय महुवा में पतंग महोत्सव मनाया गया

संवाददाता चंद्रकांत सी. पुजारी, सूरत भूमि, सूरत।

आज सुरत जिले के ग्रामीण इलाकों के महुवा नगर में आई जी एच भकत हाईस्कूल में हर साल की तरह इस साल भी बड़े ही धूमधाम से मनाया गया मकर संक्रांति का महोत्सव जिसमे हाईस्कूल के कुल 1200 विद्यार्थियों ने भाग लिया और आकाश में पतंगे उड़ाई गई। इस अवसर पर महुवा केडवणी के अध्यक्ष श्री सुभाषभाई भकत एवं मानद मंत्री श्री जनकभाई देसाई एवं कार्यकारिणी सदस्य श्री रजनीशभाई देसाई, श्री निखिलभाई व्यास, श्री अनिलभाई पटेल एवं दानदाता परिवार के श्री मगनभाई भकत भी उपस्थित रहे एवं छात्रों को पतंग महोत्सव की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर महुवा केडवणी मंडल की और से सभी विद्यार्थियों को आईसक्रीम देकर सम्मानित किया। स्कूल कैंपस के निदेशक परिनभाई मेहता और हाईस्कूल के प्रधानचार्य डॉ ऋषिकेश भट्ट साहेब एवम हाईस्कूल के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं की. कार्यक्रम को सुंदर और सफल आयोजन के लिए ऋषिकेश भट्ट और पूरे स्कूल परिवार की सराहना की गई महुवा विभाग केडवणी मंडल द्वारा।

स्विगी ने सूरत में विशेष मकर संक्रांति ऑफर की घोषणा की

सूरत ।

स्विगी, भारत का प्रमुख ऑन-डिमांड सुविधा प्लेटफॉर्म, पूरे गुजरात में अपने ग्राहकों के साथ उत्तरायण का त्योहार मनाने के लिए तैयार है। क्या आप सूरत में 'काइपो चे' उत्सव मनाने में व्यस्त हैं, और क्या आपने दोस्तों और परिवार को अपनी छत पर आमंत्रित किया है? तो उन्हें सबसे अच्छा उधिया, समोसा, केसर जलेबी, फाफड़ा, काजू कतरी, घेवर, तेल के लड्डू, छोले भटूरे और पाव भाजी खिलाएं।

कुछ नमकीन और मीठे से अपनी जीभ की लालसा को संतुष्ट करें! जब आप अपनी पसंद के रेस्टोरेंट से ऑर्डर करते हैं तो स्विगी रु. सूरत के चुनिंदा शीर्ष रेस्तरां में 200 रुपये की छूट और विशेष छूट जैसे दो पाएं एक मुफ्त पाएं। इनमें से कुछ मशहूर रेस्टोरेंट के नाम हैं 24 कैरेट मिठाई मैजिक, मक्कार भोग, जलाराम खिचड़ी, घनघोर, राधे ढोकला, जानी फरसान, जी दादा, दिल्लीवाले पहलवानजी या छोले भटूरे। सूरत में स्विगी के उपयोगकर्ता अपने घर पर काठियावाड़ी, साबुदानी खिचड़ी, जलेबी-फाफड़ा, ढोकला, पावभाजी और अन्य चाट और मिठाइयों जैसे लोकप्रिय व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं। तो, थोड़ा इंतजार न करें और अभी ऑर्डर करें!

पतंगबाजी के चक्कर में किशोर ने गंवाई जान

सूरत।

उत्तरायण पर्व के दौरान अनेक दुर्घटनाएं सामने आती हैं जिसमें कहीं पतंग की डोर से जिंदगी डोर कट जाना कहीं छत से गिर घायल होना या कभी जान चली जाना। अगर ऐहतियात बरता जाए तो ऐसी घटनाओं को टाला जा सकता है। लेकिन उत्साह में आकर लोग यह भूल जाते हैं। सूरत में ऐसी ही एक घटना में 12 वर्षीय किशोर की पांचवीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। इस घटना से त्यौहार के अवसर परिवार में शोक व्याप्त है। घटना सूरत के वांकानेडा गाम के शिवशक्ति कॉम्प्लेक्स की है। जहां पांचवीं मंझिल से 12 साल का किशोर जमीन पर जा गिरा। यह घटना उस समय हुई जब किशोर पतंग उड़ाते उड़ाते एक छत से दूसरी छत पर जाने का प्रयास कर रहा

था। उस वक्त अचानक बैलेंस बिगड़ा और वह पांचवीं मंझिल से सीधे जमीन पर जा गिरा। इस घटना में किशोर की मौत हो गई। पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

फिर लौट आया है केएफसी का सबसे कँची और चीजी ब्लॉकबस्टर 'चिज्जा'!

नए साल की खुशियों को और बढ़ाते हुए केएफसी ने 'चिज्जा' की वापसी की घोषणा की है। जी हां, आपने बिल्कुल सही सुना है! 2023 का सबसे बड़ा ब्लॉकबस्टर बनने के वादे के साथ सबका लोकप्रिय केएफसी चिज्जा फिर वापस आ रहा है। खाने के शौकीन लोगों की 2 सबसे पसंदीदा चीज़ेंचिकन और चीज़ को साथ लाते हुए केएफसी चिज्जा आपको और माँगने पर मजबूर कर देगा!

अपने फ्लेवर से भरे स्वाद और बेहतरीन क्रस्ट के दम पर कई वर्षों से इस प्रोडक्ट को केएफसी के प्रशंसकों का प्यार मिला है और अब सबकी मांग पर यह प्रोडक्ट फिर वापसी के लिए तैयार है। आप जानते हैं यह कैसा क्रस्ट है? इसके ऊपर तो केएफसी का क्रिस्पी चिकन है ही, साथ ही इसके नीचे भी ढेर सारा क्रिस्पी चिकन मिलता है, जो इसे प्रशंसकों का पसंदीदा बना देता है।

पूरी तरह चिकन से भरपूर चिज्जा में क्रिस्पी चिकन के दो जिंगर फिलेट होते हैं, जिसके टॉप पर पिज्जा सॉस, पिघला हुआ चीज़, प्याज और मिक्स्ड पेपर्स का स्वाद मिलता है। हर्ब स्प्रिंकल से इसे और खास बनाया जाता है। यकीन कीजिए, इसका बेहतरीन क्रिस्पीनेस और चीज़ी अंदाजआपको दीवाना बना देगा! 299 रुपये की शुरुआती कीमत में 10 जनवरी से चिज्जा केएफसी के सभी 600 से ज्यादा रेस्टोरेंट में उपलब्ध होगा।

स्वादिष्ट चिज्जा केएफसी के5ङ्ग सेफ्टी प्रॉमिस के साथ आता है, जिसमें सैनिटाइजेशन, स्क्रीनिंग, सोशल डिस्टेंस और वैक्सीनेटेड टीम द्वारा कॉन्टेक्टलेस सर्विस शामिल हैं। रेस्टोरेंट की हर सतह और टच होने वाली जगहों को नियमित रूप से सैनिटाइज किया जाता है, टीम के सदस्यों और राइडर्स के शरीर के तापमान को जानने के लिए नियमित तौर पर स्क्रीनिंग की जाती है। आप डिलीवरी, टेकअवे, केएफसी टु योर कार/बाइक और डाइन-इन के दौरान कॉन्टेक्टलेस एवं सुरक्षित तरीके से अपना पसंदीदा चिज्जा प्राप्त कर सकते हैं। सभी डाइन-इन और टेकअवे ऑर्डर्स के साथ एक्सप्रेस पिकअप का वादा भी मिलता है, जहां 7 मिनट के अंदर ऑर्डर पिकअप के लिए तैयार हो जाता है। अगर इसमें किसी भी तरह की देरी हो तो कॉम्प्लिमेंट के

तौर पर ग्राहकों को हॉट एंड क्रिस्पी चिकन का एक पीस अतिरिक्त दिया जाता है। चिज्जा और केएफसी के अन्य पसंदीदा प्रोडक्ट को गूगल प्ले एवं एप स्टोर पर उपलब्ध नए सुविधाजनक केएफसी एप से भी ऑर्डर किया जा सकता है।

तो फिर, किस बात का कर रहे हैं इंतजार? आपके नजदीकी केएफसी रेस्टोरेंट पर लौट आया है क्रिस्पी चीज़ी चिज्जा। अभी ऑर्डर कीजिए और लीजिए एक चीज़ी 'पुल' का मजा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-22 ।42 ।1, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)